RNI No. 58061/93 | वर्ष - 21 | अंक - 202 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » बुधवार » 18-02-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अखिलेश को आरएसएस की शाखाओं में जाना चाहिए : योगी

6 अब एआई कंटेंट की होगी बेहतर निगरानी

7 परफेक्ट मुस्कान के पीछे उमीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

फर्स्ट टेक

पाकिस्तानः आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों और एक बच्चे की मौत

पेशावर/भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों द्वारा एक जांच चौकी पर विस्फोटक से भरी गाड़ी से किए गए आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों और एक बच्चे की मौत हो गई। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले में एफसी जांच चौकी पर हुए इस घातक आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी टीटीपी ने ली है। 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार, 16 फरवरी को बाजौर जिले में फितना अल ख्वारिज से जुड़े ख्वारिजों ने सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की संयुक्त जांच चौकी पर एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का प्रयास किया। सरकार 'फितना-अल-ख्वारिज' शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' के लिए करती है। एक बयान के मुताबिक, सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

भारत में नई 'पैकिंग' में नजर आएगा लेज़

नई दिल्ली/भाषा। पेप्सिको का आलू चिप्स ब्रांड लेज़ अब भारत में अपनी नई ब्रांड पहचान यानी नई 'पैकिंग' में नजर आएगा। कंपनी बयान के अनुसार, नए 'लोगो' (पहचान चिह्न) वाले लेज़ के नए पैकेट मार्च के पहले सप्ताह से पूरे भारत में उपलब्ध होंगे। यह कंपनी के करीब 100 साल के इतिहास में सबसे बड़े वैश्विक ब्रांड नवीनीकरण अभियान का हिस्सा है। पेप्सिको इंडिया में खाद्य उत्पादों की मुख्य विपणन अधिकारी साक्षी वर्मा मेनन ने कहा, '' खेत से पैकेट तक की हमारी यात्रा को अधिक स्पष्ट तरीके से दर्शाते हुए तथा पुनर्चक्रण योग्य 'पैकेजिंग' ढांचे को आगे बढ़ाकर, हम लेज़ के विकास में टिकाऊपन तथा गुणवत्ता को केंद्र में रख रहे हैं।''

अमेरिका के साथ ईरान की परमाणु वार्ता तीन घंटे तक हुई

जिनेवा/एपी। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता का नवीनतम दौर लगभग तीन घंटे की बैठक के बाद समाप्त हो गया। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। जिनेवा में यह वार्ता ऐसे समय में हुई, जब ईरान ने सैन्य अभ्यास के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की है। अमेरिका और ईरान ने मंगलवार को जिनेवा में, तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर दूसरे दौर की वार्ता की। ईरान ने कहा है कि वह सैन्य अभ्यास के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को कुछ घंटों के लिए बंद कर देगा, क्योंकि अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है।

18-02-2026 सूर्यास्त 6:26 बजे	19-02-2026 सूर्योदय 6:40 बजे
BSE 83,450.96 (+173.81)	NSE 25,725.40 (+42.65)
सोना 16,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 237,085 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कानून का धर्म

धर्मों पंथों के विविध रूप,
जिनके मानक होते अनेक।
आस्था के अपने विविध रंग,
मर्यादा जिसकी रखे टेक।
आवश्यक इन पर विधि अंकुश,
जन खो सकते भ्रम में विवेक।
धर्मों के हैं अपने विधान,
पर संविधान का धर्म एक।।

तमिलनाडु का अंतरिम बजट पेश

केंद्र पर तमिलनाडु के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 2.55 लाख करोड़ रुपये का अंतरिम बजट पेश किया। राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस बजट में द्रमुक सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की प्रमुख योजना के लिए 4,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। इस 2,55,391 करोड़ रुपये के आवंटन में से, अधिकतम 57,039 करोड़ रुपये शिक्षा के लिए, 35,773 करोड़ रुपये शहरी विकास के लिए और 22,090 करोड़ रुपये स्वास्थ्य विभाग के लिए निर्धारित किए गए हैं। अंतरिम बजट में सरकार ने अपने राजस्व का अनुमान 3,44,575 करोड़ रुपये लगाया है। राज्य के अपने राजस्व का हिस्सा कुल राजस्व का 74.67 प्रतिशत है। शेष 25.33 प्रतिशत केंद्रीय करों तथा केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदानों से आता है।

वित्त वर्ष 2026-27 के अंतरिम बजट अनुमानों में कुल राजस्व व्यय 3,93,272 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया है जो संशोधित अनुमान 2025-26 की तुलना में 3.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026-27 के अंतरिम बजट अनुमानों में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के तीन प्रतिशत तक कम होने का अनुमान है। सरकार ने 2026-27 के दौरान कुल 1,79,809.65 करोड़ रुपये उधार लेने और 60,413.42 करोड़ रुपये चुकाने की योजना बनाई है। परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2027 तक बकाया कर्ज 10,71,770.34 करोड़ रुपये होगा। उन्होंने कहा कि इससे अर्थव्यवस्था तथा राजकोषीय मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के मार्ग के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 22 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुकमा जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के अंतर्गत आज एक महिला नक्सली समेत 22 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने राज्य शासन की पुनर्वास नीति और पुलिस के बढ़ते प्रभाव तथा 'पूना मारगेम- पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में जारी नक्सल-रोधी अभियानों, नए सुरक्षा शिविरों की स्थापना और विकास कार्यो की बढ़ती पहुंच के कारण माओवादी संगठन का प्रभाव लगातार कम हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य शासन की पुनर्वास नीति 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति -2025' के तहत 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि और अन्य सुविधाएं दी जाएगी।

टाटा-एयरबस हेलीकॉप्टर इकाई उच्च स्तरीय विनिर्माण में साझेदारी का उज्ज्वल उदाहरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार (कर्नाटक)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि एच-125 हेलीकॉप्टर कार्यक्रम में निवेश 1,000 करोड़ रुपये से अधिक होने की ''संभावना'' है और इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने इसे उच्च-स्तरीय विनिर्माण क्षेत्र में मित्र देशों के साथ पारस्परिक लाभकारी साझेदारी का ''उज्ज्वल उदाहरण'' बताया।

वह यहां एच-125 हेलीकॉप्टरों के कलपुर्जों को जोड़ने संबंधी इकाई के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मुंबई से वर्चुअल माध्यम से इस जिले के वेगल औद्योगिक क्षेत्र में टाटा-एयरबस सुविधा में एयरबस एच-125 हल्के हेलीकॉप्टरों के कलपुर्जों को जोड़ने संबंधी इकाई का उद्घाटन किया।

राजनाथ सिंह ने अपनी फ्रांसीसी समकक्ष कैथरीन वॉट्रिन के साथ परियोजना के उद्घाटन पर 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स' और 'एयरबस हेलीकॉप्टर्स' को बधाई दी तथा उनके पूर्व सहयोग को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''यह परियोजना उच्च-स्तरीय विनिर्माण क्षेत्र में मित्र देशों के साथ पारस्परिक लाभकारी साझेदारी का उज्ज्वल उदाहरण है।''

उन्होंने कहा, ''एच-125 कार्यक्रम में निवेश 1,000 करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है और इससे हमारे कुशल और मेहनती युवा वर्ग के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।''

भारत वैश्विक दक्षिण के लिए एक सशक्त, भरोसेमंद आवाज के रूप में उभरा : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत वैश्विक संवादों को आकार और अधिक संतुलित एवं समावेशी विश्व व्यवस्था में योगदान देने के साथ वैश्विक दक्षिण के लिए एक सशक्त और विश्वसनीय आवाज के रूप में उभरा है।

मोदी ने वैश्विक आर्थिक सहयोग परिषद द्वारा विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से आयोजित 'वैश्विक आर्थिक सहयोग 2026' कार्यक्रम में अपने लिखित संबोधन में कहा कि जब दुनिया अनिश्चित समय में स्थिर नेतृत्व की तलाश कर रही है, तब भारत उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि देश साझा वैश्विक चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान प्रदान कर रहा है। साथ ही उच्च वृद्धि दर और कम मुद्रास्फीति का दुर्लभ संतुलन भी बनाए हुए है। भारतीय जनता पार्टी के नेता विजय चौथाईवाले ने प्रधानमंत्री का भाषण पढ़ा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ''भारत वैश्विक दक्षिण की एक सशक्त और विश्वसनीय आवाज के रूप में उभरा है, जो वैश्विक संवादों को आकार देने के साथ अधिक संतुलित एवं समावेशी विश्व व्यवस्था में योगदान दे रहा है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस युग की प्रमुख चुनौतियों में से एक कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना, किसी को भी पीछे न छोड़ना और इसे कुशलतापूर्वक हासिल करना है।

वैश्विक उथल-पुथल से निपटने के लिए भारत और फ्रांस की 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी'

नई दिल्ली/भाषा। भारत और फ्रांस ने मंगलवार को अपने द्विपक्षीय संबंधों को ''विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी'' के मुकाम तक पहुंचाया और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने रक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बढ़ते भू-राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर द्विपक्षीय संबंधों को ''वैश्विक स्थिरता के लिए एक ताकत'' बताया।

दोनों नेताओं ने मुंबई में अपनी वार्ता के बाद, कर्नाटक के वेमागल में एयरबस एच125 हेलीकॉप्टरों के उत्पादन के लिए कलपुर्जों को जोड़ने संबंधी इकाई (असेंबली लाइन) का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। इससे भारत की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताएं बढ़ने की उम्मीद है।

कृत्रिम मेधा से 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश के युवाओं से कृत्रिम मेधा (एआई) की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने का मंगलवार को आह्वान करते हुए कहा कि यह प्रौद्योगिकी 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

प्रधान ने यहां 'एआई इम्पैक्ट समिट' को संबोधित करते हुए नई पीढ़ी से कहा कि वे कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल को बढ़ाएं, एक साथ काम करने की भावना को मजबूत करें और इस प्रौद्योगिकी से उत्पन्न होने वाली व्यापक संभावनाओं का पता लगाएं।

प्रधान ने कहा कि भारत के बहुआयामी, बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी स्वरूप के साथ-साथ उसकी समृद्ध विरासत एवं इतिहास को देखते हुए कृत्रिम मेधा देश के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि जटिलताओं को समझने और उनसे निपटने में कृत्रिम मेधा एक प्रभावी माध्यम बन सकती है।

मंत्री ने कहा, '' कृत्रिम मेधा हमें एक महत्वपूर्ण अवसर दे रही है। हमारा समाज बहुआयामी, बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी है जिसकी समृद्ध विरासत एवं इतिहास है। इसकी जटिलताओं और बहुआयामिता को समझने में कृत्रिम मेधा अहम साधन बन सकती है। '' मंत्री ने युवाओं से कृत्रिम मेधा की गहरी समझ विकसित करने और इससे मिलने वाले व्यापक अवसरों को अपनाने का आग्रह किया तथा कहा कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, '' डरने की कोई वजह नहीं है। विश्वविद्यालय, स्टार्टअप और बड़ी कंपनियां मिलकर एक बड़ा दृष्टिकोण तैयार करें। आने वाले समय में युवाओं के नेतृत्व में भारत कृत्रिम मेधा आधारित वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में उभरेगा।''

प्रधान ने कहा कि देश ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के सामूहिक लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प लिया है।

हिंदू समाज को संगठित और सशक्त होने की आवश्यकता : भागवत

जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते, वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सर संघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को वैज्ञानिकों के हवाले से कहा कि जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते हैं, वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार आरएसएस के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सद्भाव बैठक में बोलते हुए वैज्ञानिकों के हवाले से कहा कि जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते हैं, वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है। यह बात हमारे परिवारों में नव दंपतियों को बताई जानी चाहिए।

डॉ. भागवत ने कहा कि विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चले, यह होना चाहिए, वासना पूर्ति नहीं। इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है। उन्होंने कहा, हिंदू समाज को संगठित और सशक्त होने की आवश्यकता है। हमको किसी से खतरा नहीं है, लेकिन सावधान रहना है। हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने लालच और जबरदस्ती हो रहे मतांतरण पर रोक लगाने की बात कही। उन्होंने कहा, ''घर वापसी का काम तेज होना चाहिए। जो लोग हिंदू धर्म में लौटें, उनका ध्यान भी हमें रखना होगा। बढ़ती घुसपैठ पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा। उन्हें रोजगार नहीं देना है। उन्होंने कहा कि सद्भाव ना रहने से भेदभाव होता है। हम सभी एक देश, एक मातृभूमि के पुत्र हैं। मनुष्य होने के नाते हम सब एक हैं। एक समय भेद नहीं था, लेकिन समय चक्र के चलते भेदभाव की आदत पड़ गई है, जिसे दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन विचारधारा सद्भाव की विचारधारा है। भागवत ने कहा कि घर-परिवार का आधार मातृशक्ति है। हमारी परंपरा में कमाई का अधिकार पुरुषों को था, लेकिन खर्च कैसे हो, यह मातायें तय करती थी। यूजीसी गाइडलाइन को लेकर किए गए एक प्रश्न के उत्तर में संघ प्रमुख ने कहा कि कानून सभी को मानना चाहिए, यदि कानून गलत है तो बदलने का उपाय भी है। जातियां झगड़े का कारण नहीं बनना चाहिए।

भारत वैश्विक साझेदारों के साथ अधिक गहनता से जुड़ रहा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ ''मजबूत स्थिति'' में अधिक गहनता से जुड़ रहा है। उन्होंने देश के बढ़ते आर्थिक प्रभाव के प्रमाण के रूप में हाल ही में हुए कई व्यापार समझौतों का हवाला दिया। उन्होंने 'वैश्विक आर्थिक सहयोग सम्मेलन' में अपने संबोधन में अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौते सहित कई बड़े सौदों की सफल चर्चा पर प्रकाश डाला।

'वैश्विक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम' का आयोजन 'भविष्य आर्थिक सहयोग परिषद' द्वारा विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से किया जाता है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य को शायद हाल के समय में सबसे अस्थिर बताते हुए, मंत्री ने कहा कि दुनिया उत्पादन और वित्त के ''हथियारीकरण'' के साथ-साथ निर्यात नियंत्रणों को कड़ा करने और अस्थिर बाजार परिवर्तनों की गवाह बन रही है। उन्होंने कहा, ''स्थापित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट रूप से बदल रही है, इसके विकल्प तैयार करना मुश्किल है और ऐसा प्रतीत होता है कि हम एक अनिश्चितता के लंबे दौर की ओर बढ़ रहे हैं। यह दौर अव्यवस्थित, जोखिम भरा, अप्रत्याशित और शायद खतरनाक भी होगा।'' मंत्री ने कहा कि लंबे समय से बरकरार धारणाएं और अपेक्षाएं अब सवालों के घेरे में आ गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख आयाम एक साथ बदल रहे हैं, भले ही वह रणनीतिक हो, राजनीतिक हो, आर्थिक हो या प्रौद्योगिकी हो।

इरोड के मंदिर में नीलामी में एक नींबू 13,000 रुपए में बिका

इरोड/भाषा। इरोड जिले के पझमथिन्नी करुप्पा ईश्वरन मंदिर में महाशिवरात्रि समारोह के तहत आयोजित एक नीलामी में एक नींबू 13,000 रुपए में बिका। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विलाक्केथी गांव के पास पुडु अन्नामलाई पलायम में स्थित मंदिर में सोमवार को शाम छह बजे से रात 8.30 बजे के बीच विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। अनुष्ठानों के बाद, अधिष्ठाता देवता को सुशोभित करने वाली चांदी की एक अंगूठी, चांदी का एक सिक्का और एक नींबू को नीलामी के लिए रखा गया। वड्डुगापत्ती गांव के विश्वनाथन ने 13,000 रुपए की बोली लगाकर नींबू हासिल किया। स्थानीय निवासी परमासिवम ने चांदी की अंगूठी 33,000 रुपए में खरीदी, जबकि चांदी का सिक्का अथप्पमपलयम गांव के दुरई को 43,000 रुपए में नीलाम किया गया। मंदिर के आयोजकों ने बताया कि नीलामी से प्राप्त धनराशि का उपयोग मंदिर के विकास और विशेष पूजा-अर्चना के लिए किया जाएगा।

तारिक रहमान ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस नीत अंतरिम सरकार का 18 महीने से जारी शासन समाप्त हो गया, जिस दौरान बांग्लादेश में राजनीतिक अनिश्चितता और अराजकता की स्थिति रही थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बांग्लादेश के शीर्ष राजनीतिक एवं सैन्य नेतृत्व की उपस्थिति में जातीय संसद के 'साउथ प्लाजा' के खुले परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी थे।

राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रहमान (60) को परंपरा से हटते हुए, बंगभवन के बजाय जातीय संसद के 'साउथ प्लाजा' में पद की शपथ दिलाई। आम चुनावों में अपनी पार्टी को शानदार जीत दिलाने वाले रहमान ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री के तौर पर कानून के अनुसार कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करूंगा।'' शपथ ग्रहण के बाद, रहमान ने पद और गोपनीयता की शपथ वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री के पद पर उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत जियाउर रहमान के पुत्र तारिक रहमान 17 वर्षों तक स्वनिर्वासन में लंदन में रहने के बाद दो महीने पहले स्वदेश लौटे थे। खालिदा जिया का पिछले साल 30 दिसंबर को निधन हो गया था।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के प्रभावी इस्तेमाल में नैतिकता महत्वपूर्ण: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभावी इस्तेमाल में नैतिकता की भूमिका बेहद अहम होगी। सरकार के बहुभाषी एआई इंजन 'भारतजेन' का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार किसी भी नई पहल या उभरती तकनीक के प्रारंभिक चरण में ही आगे आकर भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई का अधिकतम और सही उपयोग सुनिश्चित करने में नैतिक मानदंडों की भूमिका बेहद अहम होगी। वह एआई इम्पैक्ट समिट के एक सत्र में बोल रहे थे। सिंह ने कहा कि 'भारतजेन' सरकारी स्वामित्व वाला संप्रभु मॉडल है, लेकिन निजी क्षेत्र में भी डिजिटल स्वास्थ्य और डिजिटल केस हिस्ट्री जैसे मॉडल पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा, ''आने वाले समय में हमें भी एकीकृत होना पड़ेगा। न तो वे अकेले काम कर सकते हैं, न ही हम। इसलिए, हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।''

अक्टूबर 2024 में शुरू की गई भारतजेन एक सरकारी परियोजना है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी एआई मॉडल विकसित करना है। यह मॉडल भारतीय भाषाओं के लिए ऑटोमेटिक स्पीच रिकग्निशन (एएसआर) और टेक्स्ट-टू-स्पीच (टीटीएस) जैसी सेवाएं प्रदान करेगा। इस सत्र में, भारतजेन ने अपने नए 17 बी (अरब) पैरामीटर वाले एलएलएम (बड़े भाषा मॉडल) का अनावरण किया। वर्तमान में, भारतजेन के एआई मॉडल हिंदी, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मैथिली, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल और तेलुगु सहित कई भारतीय भाषाओं को सपोर्ट करते हैं।

भारतजेन ने आयुर्वेद (आयुर परम), भारतीय कृषि (कृषि परम) और भारतीय विधि क्षेत्र (कानूनी परम) के लिए विशिष्ट रूप से तैयार किए गए मॉडल जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, भारतजेन के सभी मॉडल (पाठ, वाक् और दृश्य) स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा और शासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के लिए उपयोगी हैं। भारतजेन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ऋषि बल ने कहा कि परम2 'विशेषज्ञों का मिश्रण' मॉडल है जिसे 22 भारतीय भाषाओं में काम करने के लिए बनाया गया है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में किसी का शामिल होना या न होना उनका व्यक्तिगत निर्णय : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होना या न होना किसी की व्यक्तिगत पसंद का विषय है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में जेन्सेन हुआंग जैसे प्रौद्योगिकी जगत के कुछ दिग्गजों के शामिल न होने के सवाल पर मंत्री ने यह टिप्पणी की। मंत्री ने साथ ही कहा कि भारत, कृत्रिम मेधा के उचित एवं नैतिक उपयोग पर वैश्विक नेताओं के बीच आम सहमति बनाने का प्रयास कर रहा है। देश के सबसे बड़े वैश्विक कृत्रिम मेधा आयोजनों में शामिल इस शिखर सम्मेलन में नीति निर्माता, उद्योग जगत के दिग्गज एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ एकत्र हुए हैं और कृत्रिम मेधा में नवाचार, संचालन व्यवस्था और वास्तविक उपयोगों पर मंथन कर रहे हैं।

वैष्णव ने बताया कि एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने कुछ बेहद जरूरी काम के कारण अपने न आने की जानकारी दी थी और कंपनी की ओर से एक वरिष्ठ अधिकारी को भेजा गया है। कुछ बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, '' कुछ लोगों का न आना पूरी तरह व्यक्तिगत निर्णय है। मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। जेन्सेन हुआंग ने स्वयं संपर्क किया और बताया कि वह बेहद जरूरी काम के कारण नहीं आ पा रहे हैं इसलिए उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारी को हमारे साथ जुड़ने के लिए भेजा है।'' मंत्री ने साथ ही कहा कि एनवीडिया, भारतीय कंपनियों के साथ भी काम कर रही है, '' कृत्रिम मेधा अवसंरचना में कुछ बहुत बड़े निवेश के लिए...''

भाजपा सांसद ने एआई, महत्वपूर्ण खनिजों के उपयोग को विनियमित करने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों और महत्वपूर्ण खनिजों के उपयोग को विनियमित करने के लिए एक नई वैश्विक शासन व्यवस्था की मंगलवार को वकालत की।

राज्यसभा सदस्य श्रृंगला ने यहां 'एआई इम्पैक्ट समिट' में कहा कि संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसी संस्थाएं भविष्य की प्रौद्योगिकियों को प्रभावी ढंग से अपनाने या विनियमित करने के लिए आवश्यक कौशल, संसाधन, बुनियादी ढांचा से लैस नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ''आपके पास वैश्विक शासन व्यवस्था है, संयुक्त राष्ट्र है, विश्व व्यापार संगठन है। लेकिन इनमें से कोई भी भविष्य की प्रौद्योगिकी के लिए तैयार नहीं है, चाहे वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता हो, महत्वपूर्ण खनिजों का उपयोग हो या भविष्य की कोई अन्य प्रौद्योगिकी हो।''

एआई की विघटनकारी क्षमता को रेखांकित करते हुए, उन्होंने नौकरियां घटने और सोशल मीडिया के दुरुपयोग की ओर इशारा किया, जिसमें फर्जी संदेश, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल कर बनाई गईं तस्वीरें और ऐसी पोस्ट शामिल हैं जो सामाजिक घटनाओं और अशांति को जन्म दे सकती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं एआई द्वारा उत्पन्न होने वाले व्यवधानों से पूरी तरह अवगत हूं... हमारे देश में पहले से ही रोजगार या बेरोजगारी के संदर्भ में एआई के कारण होने वाले व्यवधानों को लेकर चिंता है क्योंकि इससे बहुत सारे लोग एक तरह से अनुपयोगी हो जाएंगे।''

'संकल्प पत्र' में किए गए 217 वादों में से 60 पूरे हो चुके हैं : मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने विधानसभा चुनाव के समय किए गए 217 वादों में से 60 पूरे कर दिए हैं जबकि शेष वादों को पूरा करने के लिए तेजी से काम जारी है।

सैनी ने कहा कि भाजपा जो वादे करती है, वे 'सिर्फ वादे नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता' हैं।

सैनी ने कहा, हम जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। हम अपने वादों को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 'संकल्प पत्र' (चुनावी घोषणापत्र) में किए गए 217 वादों में से 60 पूरे हो चुके हैं जबकि शेष प्रतिबद्धताओं को पूरा किया जा रहा है और 120 वादों पर तेजी से काम जारी है।

सैनी ने कहा, हमारे 'संकल्प पत्र' में सिर्फ वादे नहीं थे बल्कि 'संकल्प पत्र' हमारे लिए पवित्र गीता के समान है। उन्होंने कहा, 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले हमने कहा था कि हमारा लक्ष्य सुशासन, पारदर्शी प्रशासन और जन कल्याण सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विपक्षी दल कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के विपरीत, जो अपने वादे पूरे नहीं करते या सरकार के कार्यकाल के अंत में ही कुछ वादे पूरे करते हैं, भाजपा सरकार सत्ता में आते ही प्रमुख वादों को पूरा करती है।

सैनी ने हरियाणा विधानसभा के आगामी बजट सत्र के बारे में कहा कि उन्हें विभिन्न हितधारकों के साथ बजट से पहले की गई 13 बैठकों के दौरान 2,199 सुझाव प्राप्त हुए। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 20 फरवरी से शुरू हो रहा है।

चारधाम यात्रा पंजीकरण के लिए श्रद्धालुओं को देना होगा न्यूनतम शुल्क

देहरादून/भाषा। इस वर्ष 19 अप्रैल से शुरू होने वाली चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं से न्यूनतम पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा। शुल्क का जल्द निर्धारण किया जाएगा। चारों धामों के खुलने की तिथियां तय होने के बाद आगामी यात्रा के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित संचालन के उद्देश्य से सभी हितधारकों के साथ गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में सोमवार को ऋषिकेश में हुई एक बैठक में यह तय किया गया। बैठक में गढ़वाल पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप भी मौजूद रहे।

पांडेय ने स्पष्ट किया कि इस वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या सीमित नहीं की जाएगी लेकिन प्रत्येक यात्री के लिए पंजीकरण अनिवार्य रहेगा। उन्होंने बताया कि फर्जी पंजीकरण पर सख्ती से रोक लगाने हेतु न्यूनतम पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया जाएगा। आयुक्त ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी तथा उसे सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाया जाएगा। होटल एसोसिएशन, टूर एंड ट्रेवल्स यूनियन तथा डंडी-कंडी (डोली) संचालकों द्वारा उठाई व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए अपर गढ़वाल आयुक्त उत्तम सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है।

मुंबई जैसे तटीय शहरों पर जलवायु परिवर्तन का सीधा असर, निरंतर कार्रवाई की जरूरत : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को जलवायु परिवर्तन को 'तत्काल शासन संबंधी चुनौती' करार दिया साथ ही कहा कि मुंबई जैसे तटीय शहर अब चरम मौसमीय स्थितियों के सीधे प्रभाव का सामना कर रहे हैं।

'मुंबई क्लाइमेट वीक' (एमसीडब्ल्यू) के उद्घाटन के अवसर पर फडणवीस ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए मजबूत कार्यान्वयन, निवेश और वैश्विक साझेदारी का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय कार्यक्रम 'एमसीडब्ल्यू' का उद्घाटन किया, जिसमें संगोष्ठी, कार्यशालाएं, केस स्टडी और चर्चाएं शामिल होंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुंबई जैसे तटीय शहरों पर अत्यधिक बारिश, लू और बेमौसम बारिश जैसे जलवायु परिवर्तन का सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन शासन के लिए एक ऐसी चुनौती बन गया है जिसके लिए त्वरित और निरंतर कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाते हुए नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसी के साथ महाराष्ट्र वर्ष 2030 तक हरित ऊर्जा में 50 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है।

इसी के साथ उन्होंने बाढ़ नियंत्रण प्रणालियों को मजबूत करने, डेटा-आधारित मौसम पूर्वानुमान विकसित करने और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार जलवायु-अनुकूल कृषि और कुशल जल प्रबंधन उपायों को प्राथमिकता दे रही है।

एआई समिट में सरकार की अक्षमता के कारण भारत को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान सरकार की अक्षमता के कारण कुपबंधन देखने को मिला है जिससे वैश्विक स्तर पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को हर साल आयोजित होने वाले 'बेंगलूरु टेक समिट' से सीखना चाहिए। खरगे ने 'एक्स' पर पोसट किया, ''जो पूरी दुनिया के लिए भारत की डिजिटल और एआई क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाला एक एआई शिखर सम्मेलन हो सकता था, वह ''पीआर की भूखी'' सरकार द्वारा पूरी तरह से अराजकता और रैंक कुप्रबंधन में बदल गया है।'' उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शकों को भोजन और पानी के बिना छोड़ दिया गया, उनके उत्पाद चोरी हो गए, डिजी यात्रा बुरी तरह विफल हो गई, लैपटॉप, व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और यहां तक कि बैग भी प्रतिबंधित कर दिए गए, डिजिटल/यूपीआई भुगतान के बजाय केवल नकद स्वीकार किया गया तथा संकट के कई अन्य कारणों के अलावा लोगों को बुनियादी सुविधाओं के बिना भारी रकम का भुगतान करना पड़ा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश को अपनी ही सरकार की अक्षमता के कारण इस वैश्विक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है।

पत्नी को गुजारा भत्ता 'खैरात' नहीं, बल्कि न्याय व निष्पक्षता बनाए रखने वाला उसका 'हक' : कोर्ट

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने दोहराया है कि अलग रह रही पत्नी को दिया जाने वाला गुजारा भत्ता कोई खैरात नहीं, बल्कि उसका हक है, जिसे लागू करना न्याय, निष्पक्षता और अंतरआत्मा की शांति एवं संतुष्टि को बनाए रखने के लिए जरूरी है। न्यायमूर्ति वाई लक्ष्मण राव ने पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें चिन्नम किरणमयी स्माइली को हर महीने 7,500 रुपए और उसके नाबालिग बेटे को 5,000 रुपए का गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि भारत में गुजारा भत्ता संबंधी न्यायशास्त्र न्यायपालिका के संकल्प का प्रमाण है।

न्यायमूर्ति राव ने नौ फरवरी को पारित आदेश में कहा कि यह संकल्प सुनिश्चित करता है कि कोई भी पत्नी, बच्चा या आश्रित माता-पिता उन लोगों की उपेक्षा के कारण गरीबी में जीवन यापन करने के लिए मजबूर न हों, जो कानूनी रूप से उनका भरण-पोषण करने के लिए बाध्य हैं।

देश के युवा विकसित भारत के लाभार्थी ही नहीं प्राथमिक शिल्पकार भी : विजेंद्र गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने युवाओं से तकनीक और आधुनिकता के इस युग में भी अपनी जड़ों और मानवीय मूल्यों से जुड़े रहने का मंगलवार को आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि युवा केवल विकसित भारत के लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि इस परिवर्तन के प्राथमिक शिल्पकार भी हैं।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, गुप्ता ने यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के भीमराव अंबेडकर कॉलेज में विद्यार्थियों से कहा कि युवा पीढ़ी की ऊर्जा और नवाचार ही भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन की प्रेरक शक्ति है।

कॉलेज के 35वें वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि तकनीक और आधुनिकता के इस युग में भी छात्रों को अपनी जड़ों और मानवीय मूल्यों से जुड़े रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमेशा याद रखें, आपकी डिग्री केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं है, बल्कि समाज के प्रति आपकी जिम्मेदारी की घोषणा है।

संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर के मशहूर आह्वान शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का उल्लेख करते हुए, विधानसभा अध्यक्ष ने ज़ोर दिया कि आधुनिक संदर्भ में इसका अर्थ राष्ट्रीय चुनौतियों को हल करने और समावेशी विकास को गति देने के लिए शिक्षा के उपयोग से है।

पुरी का एप्सटीन के साथ 62 बार ईमेल का आदान-प्रदान हुआ, 14 बार मिले : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि वर्ष 2014 से 2017 दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और अमेरिका में बाल यौन अपराध के दोषी जेफ्री एप्सटीन के बीच 62 बार ईमेल का आदान-प्रदान हुआ था तथा उनकी 14 मुलाकातें हुईं।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री पर ''आदतन झूठ बोलने'' का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें पद से इस्तीफा देने के बाद सफाई देनी चाहिए।

कांग्रेस के इस नए दावे पर पुरी की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि उनकी मुलाकात जेफ्री एप्स्टीन से ''कुछ मौकों पर'' हुई थी। हालांकि केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि उसके साथ हुई बातचीत का उन अपराधों से कोई लेना-देना नहीं था जिनमें अमेरिकी यौन अपराधी शामिल था।

केंद्रीय मंत्री का नाम अमेरिका में जारी 'एप्स्टीन फाइल्स' में शामिल है। खेड़ा ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, ''हरदीप पुरी ने कहा है कि उनकी एप्स्टीन से सिर्फ तीन-चार मुलाकतें हुई हैं, जबकि ये झूठ है।''

कांग्रेस नेता ने दावा किया, '' वर्ष 2014 से 2017 दौरान हरदीप पुरी और एप्स्टीन के बीच 62 बार ईमेल का अदान-प्रदान हुआ। इसके अलावा 14 बार मुलाकात हुईं। सिर्फ 2014 में 5, 6, 8 और 9 जून, 19, 23 और 24 सितम्बर, 9 और 10 अक्टूबर को मुलकातें हुईं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पुरी ''पैथोलॉजिकल लायर'' (आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति) हैं। खेड़ा ने सवाल किया कि जून, 2014 में हरदीप पुरी क्या थे, किस पद पर थे और उन्होंने किस हैसियत से एप्सटीन से मुलाकात की थी? उन्होंने दावा किया, ''इसमें रोचक बात ये है कि नरेन्द्र मोदी ने मई, 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और जून, 2014 में हरदीप पुरी की मुलाकात का सिलसिला शुरू हुआ था।''

कांग्रेस नेता ने सवाल किसा, ''हरदीप पुरी एक सामान्य नागरिक की हैसियत से सरकार की नीतियां एप्सटीन से क्यों साझा कर रहे थे? हरदीप पुरी किसे बचाने के लिए इतने झूठ बोल रहे हैं?'' खेड़ा ने कहा, ''वह पहले इस्तीफा दें और फिर इस बात की सफाई दें।''

भविष्य में प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए कोड लिखना मुख्य काम नहीं होगा : नीलेकणि

बेंगलूरु। इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का तरीका ही बदल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए कोड लिखना मुख्य काम नहीं रहेगा। नीलेकणि ने कहा कि एआई को अपनाने की गति इंटरनेट और स्मार्टफोन जैसी पिछली किसी भी प्रौद्योगिकीय बदलाव से कहीं तेज़ है और यह व्यवसायों के काम करने के तरीके को मूल रूप से बदलने वाला है। नीलेकणि ने इन्फोसिस के निवेशक दिवस पर कहा, कर्मचारी ऐसे माहौल में काम करेंगे जहां कोड लिखना मुख्य उद्देश्य नहीं होगा। असली काम एआई को सही ढंग से काम करने योग्य बनाना, उसे नियंत्रित करना और उससे जुड़ी अन्य गतिविधियां करना होगा। उन्होंने कहा, ग्राहक की पूरी यात्रा, कंपनियों के काम करने का तरीका और सोचने का नजरिया सब बदलना होगा। हर कंपनी को यह सोचना होगा कि वह अपने काम-काज को नए तरीके से कैसे व्यवस्थित कर सकती है और संभाल सकती है। कोडिंग खत्म हो सकती है, लेकिन नई नौकरियां बनेंगी। भविष्य में एआई इंजीनियर, फॉरवर्ड डिप्लॉयमेंट इंजीनियर और फॉरेंसिक विश्लेषक जैसी नई भूमिकाओं की जरूरत होगी, जो कुछ साल पहले तक मौजूद ही नहीं थीं। नीलेकणि ने बताया कि असली चुनौती सिर्फ नए कोड लिखने की नहीं है, बल्कि पुरानी प्रणाली में लाखों करोड़ रुपये के पुरानी प्रणाली के जटिल हिस्सों से निपटना है।

चार राज्यों, एक यूटी का चुनाव कार्यक्रम मार्च के मध्य में हो सकता है जारी, चुनाव अप्रैल में संभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, जिसके लिए कार्यक्रम मार्च के मध्य में घोषित किए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा ''मार्च के मध्य में किसी समय'' एक साथ करेगा और चुनाव अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर हो सकते हैं।

पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तारीखों पर खत्म हो रहा है। जहां पुडुचेरी विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 15 जून को खत्म होगा, वहीं असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल क्रमशः 20, 23, 10 और सात मई को खत्म हो रहा है। निर्वाचन आयोग ने पहले ही चुनाव वाले राज्यों का दौरा करना शुरू कर दिया है और चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए असम में पहले से ही है। पिछली बार, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव आठ चरणों में हुए थे - जो अब तक के सर्वाधिक चरण हैं। असम में चुनाव दो चरण में हुए थे, वहीं तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में हुए थे। जिन विधानसभाओं में चुनाव होने वाले हैं, उनमें से पुडुचेरी पहला राज्य है जिसने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 14 फरवरी को अपनी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी। तमिलनाडु मंगलवार को एसआईआर के बाद अपनी अंतिम सूची जारी करेगा, जबकि केरल 21 फरवरी को ऐसा करेगा।

शिव मंदिर में 'नशीला पदार्थ' चढ़ाते हुए रील बनाने पर हैदराबाद पुलिस ने चेतावनी दी

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने मंगलवार को युवाओं को सोशल मीडिया पर 'लाइक' पाने के लिए आपत्तिजनक कृत्य के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। यह चेतावनी एक वायरल वीडियो के बाद आई है, जिसमें दो युवक महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की मूर्ति को कथित तौर पर नशीला पदार्थ चढ़ाते हुए दिख रहे हैं।

वीडियो को लेकर जनता की नाराजगी के बाद, आयुक्त ने इस तरह के कृत्यों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।यहां शमशाबाद इलाके में रविवार को एक शिव मंदिर के पास रिकॉर्ड की गई इस रील में दोनों युवकों को यह कहते सुना जा सकता है कि वे भगवान शिव को प्रसाद चढ़ाने आए हैं। वीडियो में दोनों युवकों को कहते हुए सुना जा सकता है कि आमतौर पर श्रद्धालु प्रसाद के रूप में नारियल चढ़ाते हैं, वे कुछ अलग कर रहे हैं।

ईडी के दूसरी बार समन भेजने के बावजूद पेश नहीं हुईं टीना अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'रिलायंस ग्रुप' के अध्यक्ष अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दूसरी बार समन जारी किए जाने के बावजूद मंगलवार को भी एजेंसी के सामने पेश नहीं हुईं।

पूर्व अभिनेत्री को धन शोधन मामले में समन भेजा गया था। उन्हें संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए पहला समन 10 फरवरी को जारी किया गया था लेकिन वह उपस्थित नहीं हुईं जिसके बाद उन्हें नया नोटिस दिया गया था।

यह अभी पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने पेश न होने के लिए मामले के जांच अधिकारी को कोई कारण बताया है या नहीं।

अधिकारियों ने कहा कि निदेशालय उन्हें पेश होने के लिए नई तारीख दे सकता है। उन्होंने बताया कि जब टीना अंबानी अपना बयान दर्ज करा लेंगी, तो उनसे पूछताछ की जाएगी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया जाएगा।

अनिल अंबानी (66) को 'रिलायंस ग्रुप' की कई कंपनियों और उनके बैंक ऋणों से संबंधित जांच के सिलसिले में ईडी के समक्ष दूसरी बार बुधवार को पेश होने के लिए कहा गया है। वह पहली बार अगस्त 2025 में ईडी के समक्ष पेश हुए थे।

ऐसा समझा जा रहा है कि टीना अंबानी को न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी आवासीय संपत्ति की खरीद से जुड़े धन के लेन-देन के संबंध में पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

एजेंसी ने पहले एक बयान में आरोप लगाया था कि आरकॉम की कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के दौरान 2023 में न्यूयॉर्क स्थित इस संपत्ति को गर्ग ने ''धोखाधड़ी'' से बेचा था।

समझा जाता है कि आरकॉम ने ''धोखाधड़ी से की गई'' इस बिक्री की जानकारी 2025 में शेयर बाजार को दी थी।

बेंगलूरु में नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन विदेशियों समेत 15 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की तस्करी करने के आरोप में तीन विदेशी नागरिकों सहित 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों के बारे में विशिष्ट सूचनाएं मिली थी, जिसके आधार पर विभिन्न पुलिस थाना क्षेत्रों में चलाए गए संयुक्त अभियान में ये गिरफ्तारियां की गईं।

बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, बेंगलूरु सिटी पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) की मादक पदार्थ रोधी इकाई और शहर की विभिन्न सीमाओं के अंतर्गत आने वाले पुलिस थानों ने प्रतिबंधित नशीले पदार्थों बेचने के आरोप में कुल 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन विदेशी नागरिक और अन्य राज्यों के 12 व्यक्ति शामिल हैं।बेंगलूरु नगर पुलिस आयुक्त सीमान्त कुमार सिंह ने बताया कि डीसीपी उत्तर नैमेगौड़ा और डीसीपी क्राइम राजा इमाम काफिम के नेतृत्व में विभिन्न पुलिस स्टेशनों के प्रमुखों ने कार्रवाई की। इस संबंध में विभिन्न तारीखों पर प्राप्त विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इन सूचनाओं में बताया गया था कि सीसीबी की मादक पदार्थ रोधी इकाई के साथ-साथ अमृतहल्ली, हेब्बागोडी, जेबी नगर, शेषाद्रिपुरम, महालक्ष्मी लेआउट और गोविंदपुरा पुलिस थाना क्षेत्रों की सीमाओं के भीतर प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की बिक्री की जा रही थी। विज्ञप्ति के अनुसार, इन सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग दिनों पर ये गिरफ्तारियां की गईं। विज्ञप्ति में कहा गया, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि कम समय में अधिक पैसा कमाने के इरादे से वे अज्ञात विदेशी और अंतरराज्यीय व्यक्तियों से प्रतिबंधित नशीले पदार्थ प्राप्त करते थे। वे इन्हें आम नागरिक, महाविद्यालय के छात्रों और आईटी/बीटी कर्मचारियों को बेच रहे थे।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपियों के पास से भारी मात्रा में ड्रग्स और अन्य सामग्री जब्त की गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, जब्त की गई वस्तुओं में नौ किलो 460 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा, पांच किलो 677 ग्राम एमडीएमए, 34 किलोग्राम गांजा, 131 ग्राम कोकीन, 462 मिलीलीटर हशीश ऑयल, 29 एलएसडी गोलियां और 27 ग्राम एलएसडी स्ट्रिप्स शामिल हैं। इसके अलावा एक कार, एक दुपहिया वाहन और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं तथा जब्त किये गए सामानों की कुल कीमत 10.59 करोड़ रुपये (बाजार मूल्य 21.50 करोड़ रुपये) है। इसके अतिरिक्त, आरोपियों के पास से 24,500 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों को प्रतिबंधित नशीले पदार्थ उपलब्ध कराने वाले विदेशी और अन्य आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाने की कोशिश की जा रही है तथा मामले की जांच जारी है।

भारत1-एआई का बड़ा ऐलान

बेंगलूरु में बनाएगी देश का पहला 'ह्यूमैनिटी-फर्स्ट एआई सिटी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु स्थित एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी भारत1.एआई ने मंगलवार को घोषणा की कि वह शहर में देश का पहला 'ह्यूमैनिटी-फर्स्ट एआई सिटी' स्थापित करेगी। इस परियोजना का उद्देश्य मॉडल ट्रेनिंग, फाइन-ट्यूनिंग और इंफेरेंस के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म तैयार करना है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस साल के अंत तक यहां 10,000 से अधिक एआई शोधकर्ता और नवाचारकर्ता काम करें। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि यह पहल शहर स्तर पर रिसर्च और इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की योजना है, जिसका मकसद वास्तविक परिस्थितियों में एडवांस एजेंटिक और फिजिकल एआई सिस्टम विकसित करना है।

इस योजना के तहत सरजापुर में 5 लाख वर्गफुट में फैला 'बी1 एआई सुपरपार्क' बनाया जाएगा। यह एक आधुनिक एआई रिसर्च और इनोवेशन कैंपस होगा, जिसमें देश के प्रमुख संस्थान शुरुआती रिसर्च पार्टनर के रूप में जुड़ेंगे, जिनमें आईआईटी कानपुर की एयरावत रिसर्च फाउंडेशन, आईआईएससी का सेफ्टी, प्राइवेसी एंड एआई रिसर्च सेंटर (एसपीएआरसी), वधवानी स्कूल ऑफ एआई एंड इंटेलिजेंट सिस्टम्स (आईआईटी कानपुर), बिट्स पिलानी, आईस्पिरिट फाउंडेशन और आईआईटी रोपड़ शामिल हैं।

परियोजना के पहले चरण में नियंत्रित और वास्तविक परिस्थितियों में बुनियादी एआई फ्रेमवर्क को विकसित और परखा जाएगा। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले मल्टीमॉडल डेटा की मदद से शहर स्तर के ओपन वर्ल्ड मॉडल तैयार किए जाएंगे। बड़े पैमाने पर तैनाती से पहले एजेंटिक और फिजिकल एआई सिस्टम के लिए मजबूत वैलिडेशन सिस्टम भी तैयार किया जाएगा।

इस कैंपस में 400 जीबीपीएस तक की हाई-स्पीड कनेक्टिविटी होगी, जो प्रमुख एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म से सब-मिलीसेकंड लेटेंसी के साथ जुड़ी होगी। इससे बड़े स्तर पर रिसर्च और परीक्षण के दौरान डेटा से जुड़ी रुकावटें नहीं आएंगी। कंपनी के अनुसार, अगले 36 महीनों में यह परियोजना सुपरपार्क से आगे बढ़कर एक बड़े एआई सिटी टेस्टबेड में बदलेगी, जिससे भारतीय और वैश्विक संगठन शहरी स्तर पर एआई सिस्टम का परीक्षण और तैनाती कर सकेंगे। भारत1-एआई के सह-संस्थापक और सीईओ उमाकांत सोनी ने कहा कि जटिल, वास्तविक दुनिया के परिवेश में परीक्षण किए बिना एआई सिस्टम को बड़े स्तर पर लागू करना जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत1.एआई मानवता के लिए हमारा एक बड़ा उद्यम है, जिसका मकसद सुरक्षित, भरोसेमंद और मानव मूल्यों के अनुरूप एआई सिस्टम तैयार करना है।

इसी बीच, ग्लोबल साउथ के सबसे बड़े एआई सम्मेलनों में से एक 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर गया। पांच दिवसीय यह सम्मेलन 20 फरवरी तक चलेगा, जिसमें 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि, 20 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और उपमंत्री तथा 500 से अधिक वैश्विक एआई विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

कन्नड़ अभिनेत्री ने वॉशरूम में चोरी छिपे फिल्म बनाए जाने और ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कन्नड़ टीवी धारावाहिकों की एक अभिनेत्री ने आरोप लगाया है कि एक समारोह के दौरान एक स्टेडियम के वॉशरूम में चोरीछिपे उनकी फिल्म बनाई गई और पैसे नहीं देने पर वीडियो को ऑनलाइन प्रसारित करने की धमकी दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना हाल में यहां हुए सेलिब्रिटी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में हुई।

अपनी शिकायत में अभिनेत्री ने कहा कि वह कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय समारोह में शामिल हुई थीं। इसमें कहा गया है कि समारोह के दूसरे दिन, सात फरवरी को, जब वह स्टेडियम के अंदर मौजूद महिला शौचालय का इस्तेमाल करने गईं, तो किसी अनजान व्यक्ति ने चुपके से उनका एक ''अश्लील और अभद्र वीडियो'' रिकॉर्ड कर लिया। प्राथमिकी में कहा गया है कि कथित वीडियो एक इंस्टाग्राम अकाउंट से उनके दोस्त के इंस्टाग्राम अकाउंट पर कथित तौर पर इस गलतफहमी में भेजा गया कि वह अभिनेत्री का खाता का है।

प्राथमिकी के अनुसार, वीडियो की विषयवस्तु अश्लील है। वीडियो अपलोड करने के बाद, अनजान लोगों ने और प्राइवेट वीडियो भेजने तथा वीडियो कॉल करने की धमकी दी। उन्होंने पैसे मांगे और दोस्त को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए, तो वीडियो को दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया जाएगा और सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

प्राथमिकी में कहा गया है कि शिकायतकर्ता ने शिकायत से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो एक पेन ड्राइव में जमा किए हैं।

ज्ञापन

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले के मंत्री केएच मुनियप्पा और आबकारी मंत्री आर.बी. थिम्मापुरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से लोक भवन में मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

मंत्री की कुत्ते वाली 'टिप्पणी' के बाद कर्नाटक में नेतृत्व विवाद गहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच नेतृत्व को लेकर लंबे समय से जारी विवाद मंगलवार को उस समय और गहरा गया, जब राज्य के समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा ने आवारा कुत्तों पर उच्च न्यायालय की टिप्पणी का हवाला देते हुए एक विवादित बयान दिया। शिवकुमार सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और विपक्षी सदस्यों ने महादेवप्पा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

महादेवप्पा ने सोमवार को मैसूरु में संवाददाताओं से बातचीत में शीर्ष स्तर पर बदलाव की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा था, नेतृत्व के मुद्दे पर कहां चर्चा हो रही है? उच्च न्यायालय बार-बार कहता है कि आवारा कुत्तों को पकड़कर आश्रय केंद्रों में बंद करो। यहां राजनीतिक नेतृत्व मजबूत है। जब महादेवप्पा से यह स्पष्ट करने के लिए कहा गया कि उनका इशारा किस ओर था, तो उन्होंने कहा कि वह केवल उच्च न्यायालय की टिप्पणियों का हवाला दे रहे थे।

मंत्री ने कहा, मैं सिर्फ उच्च न्यायालय की ओर से की गई टिप्पणी का जिक्र कर रहा था। मुझे नहीं पता कि आप लोग इसकी व्याख्या कैसे करते हैं। नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर महादेवप्पा ने कहा, पार्टी आलाकमान को कौन निर्देश दे सकता है? क्या आप और मैं उसे निर्देश दे सकते हैं? वे ही हमें निर्देश दे सकते हैं, न कि हम उन्हें। अगर पूंछ कुत्ते को हिलाने लगे तो क्या होगा? महादेवप्पा को सिद्दरामय्या का करीबी माना जाता है।

मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि यह तो समय ही बताएगा, जब मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या इस बारे में जवाब देंगे। शिवकुमार कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, मैं महादेवप्पा के बयान पर टिप्पणी करने के लिए तैयार नहीं हूं। न सिर्फ उनके, बल्कि किसी के भी बयान पर। मैंने यह बात पहले भी कही है। सिद्दरामय्या और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी नेतृत्व के मुद्दे पर बोल चुके हैं।

शिवकुमार ने कहा, यह फैसला मैंने, सिद्दरामय्या और पार्टी आलाकमान ने मिलकर लिया है। समय ही बताएगा कि फैसला क्या है। इस मामले में कुछ भी छिपा नहीं है। समय आने पर सिद्दरामय्या खुद जनता को जवाब देंगे। उपमुख्यमंत्री के भाई डीके सुरेश ने कहा कि उन्हें महादेवप्पा के बयान के संदर्भ के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि महादेवप्पा ने कुत्तों' वाली टिप्पणी में किसका संदर्भ दिया है। हालांकि, सुरेश ने कहा, कांग्रेस के समर्पित नेता आवारा कुत्ते नहीं, बल्कि ईमानदार कुत्ते हैं। वे कभी भी उनका साथ निभाने वालों को धोखा नहीं देते। वे अपने मालिक का कर्ज अदा करते हैं।

कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य बीके हरिप्रसाद ने शिवकुमार की तुलना ट्रेन के 'इंजन' से की। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, शिवकुमार उस इंजन की तरह हैं, जो पूरी ट्रेन को साथ लेकर चलता है, लेकिन जब ट्रेन किसी स्टेशन पर पहुंचती है, तो वह बहुत शोर मचाता है और वहां के विक्रेताओं को जगा देता है। इस बीच, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालवाड़ी नारायणस्वामी ने महादेवप्पा पर निशाना साधते हुए कहा, इस बयान से यह आशय निकलता है कि कांग्रेस के सभी नेता कुत्ते की तरह हैं। कांग्रेस नेताओं को कुत्ते बहुत पसंद हैं। महादेवप्पा ने बड़ी चतुराई से यह स्पष्ट कर दिया है कि कुत्ता पूंछ हिला रहा है या पूंछ कुत्ते को हिला रही है।

कांग्रेस विधायकों की विदेश दौरे पर प्रियांक खरगे की सफाई, बोले-

निजी यात्रा के लिए अनुमति जरूरी नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खरगे ने कांग्रेस विधायकों के प्रस्तावित विदेश दौरे को लेकर उठे विवाद को कम करने की कोशिश की है। मंगलवार को बेंगलूरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि विधायक पहले भी इस तरह के विदेश दौरे पर जा चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या निजी यात्रा के लिए किसी विशेष अनुमति की जरूरत होती है। प्रियांक खरगे ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि किसने विधायकों को दौरे पर न जाने के लिए कहा है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इस यात्रा का राज्य के बजट की तैयारियों से कोई संबंध नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि कई विधायक एक साथ यात्रा पर क्यों जा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि वे पहले भी साथ में यात्रा कर चुके हैं और तब इस पर कोई चर्चा नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि विधायक आम तौर पर सीधे मुख्यमंत्री से मिलते हैं और अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों की मांगें रखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विदेश यात्रा करना न तो गैरकानूनी है और न ही इसके लिए पार्टी हाईकमान या सरकार से अनुमति लेने की जरूरत है।

प्रियांक खरगे ने कहा कि विधायक निजी तौर पर दोस्तों के रूप में यात्रा पर जा रहे हैं, इसमें आपत्ति की कोई बात नहीं है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा कथित तौर पर विधायकों को फोन कर यात्रा न करने की सलाह देने संबंधी खबरों पर उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है और उनकी जानकारी के अनुसार किसी ने भी विधायकों को फोन नहीं किया है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के भीतर सत्ता साझेदारी को लेकर चर्चा और खींचतान की खबरों के बीच पार्टी के कुछ विधायक विदेश यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन विधायकों में अधिकतर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के समर्थक हैं। इस घटनाक्रम से राज्य की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है।

यह घटनाक्रम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की राज्य नेताओं को मतभेदों से बचने और आम सहमति से काम करने की सलाह के बाद सामने आया। यह कदम कर्नाटक में पार्टी के भीतर चल रही लीडरशिप खींचतान के बीच महत्वपूर्ण बन गया है।

सूत्रों के अनुसार, शुरुआत में लगभग 27 कांग्रेस विधायक और राज्य विधान परिषद के सदस्य ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे में शामिल होने की योजना बना रहे थे। बाद में इस संख्या को घटाकर लगभग 20 विधायक किया गया, जिसमें छह से सात विधान परिषद सदस्य भी शामिल हो सकते हैं।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि यह समूह 17 फरवरी को बेंगलूरु से रवाना होगा और 1 मार्च को वापस लौट सकता है। सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार तथा उनके समर्थक समूह द्वारा राज्य नेतृत्व पर दिए गए बयान को कम प्रभाव वाला दिखाने के लिए यह विदेश यात्रा की योजना बनाई जा रही है।

मुलाकात

बेंगलूरु में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से उनके आधिकारिक आवास कावेरी में सौहार्दपूर्ण मुलाकात की और विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर मंत्री डॉ. एम.सी. सुधाकर, मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्नन्ना, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज़ और अन्य उपस्थित थे।

वैलेंटाइन सीज़न में केआईए से विभिन्न देशों को छह करोड़ से ज्यादा गुलाब भेजे गए

बेंगलूरु। वैलेंटाइन सीजन में दुनिया भर में ताजे गुलाबों की जबर्दस्त मांग के चलते, यहां के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) ने 26 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को लगभग छह करोड़ गुलाब तने भेजे, जिनका वज़न 2,700 टन से ज़्यादा था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बायल) द्वारा संचालित इस हवाई अड्डे ने 47 घरेलू गंतव्यों पर भी गुलाब भेजे। उन्होंने कहा कि निर्यात में तने की मात्रा में साल-दर-साल 38 प्रतिशत और टन (वजन) में 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे बेंगलूरु हवाई अड्डे लगातार पांच सालो से जल्द खराब होने वाले वस्तुओं के निर्यात के लिए भारत का प्रमुख द्वार बना हुआ है।

रवि कुमार ने प्रियंक खरगे पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के सचेतक एन. रवि कुमार ने मंगलवार को ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री प्रियांक खरगे पर आरोप लगाया कि वह राज्य कांग्रेस नेतृत्व की रस्साकसी में खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अनर्गल बातें करते हैं। यहां पार्टी के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में संवाददाताओं से बात करते हुए, रवि कुमार ने कहा कि प्रियांक खरगे अपने मंत्री पद को बचाने और अपनी पार्टी में चल रही लीडरशिप की लड़ाई में खुद को बनाए रखने के लिए बेचैन हैं और इसलिए वह संघ को निशाना बना रहे हैं।

रवि कुमार ने आगे कहा, संघ के विचार और कार्यों पर उनके बयानों से कोई फ़र्क नहीं पड़ता। प्रियांक खरगे 100 साल पुराने सबसे भरोसेमंद संगठन के बारे में क्या कहते हैं। लेकिन सच तो यह है कि प्रियांक खरगे बेवजह संघ के खिलाफ बचकानी बातें करके लोगों की नज़रों में तेज़ी से मज़ाक का पात्र बनते जा रहे हैं। रवि कुमार ने प्रियांक खरगे से सवाल किया कि पिछले छह दशकों से हैदराबाद-कर्नाटक इलाके पर पिता-पुत्र की

मज़बूत पकड़ होने के बावजूद, खास तौर पर कलबुर्गी और आम तौर पर कल्याण-कर्नाटक इलाके में कोई आईटी या बीटी इंडस्ट्री क्यों नहीं लगी है। प्रियांक खरगे कहते हैं कि आईटी-बीटी इंडस्ट्री कम्युनल हालात की वजह से तटीय कर्नाटक में नहीं आई है, लेकिन उन्हें (प्रियांक खरगे) यह बताना चाहिए, कल्याण-कर्नाटक इलाके में आईटीबीटी इंडस्ट्री क्यों नहीं आई है। क्या खरगे जूनियर कोई भरोसेमंद और ठोस वजह बता सकते हैं, रवि कुमार ने पूछा और आगे कहा, तटीय कर्नाटक के लोगों का औद्योगिकीकरण के मामले में पूरे विश्व में जाना जाता है। रवि कुमार के मुताबिक, कलबुर्गी और कल्याण कर्नाटक इलाके में शिक्षा की स्थिति बहुत खराब है, दसवीं में 48 प्रतिशत उत्तीर्ण और बारहवीं में 49 प्रतिशत उत्तीर्ण हो पाते हैं। कलबुर्गी और कल्याण-कर्नाटक इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर की हालत के बारे में जितना कम कहा जाए, उतना अच्छा है। रवि कुमार ने कहा, यह बहुत बुरा है।

रवि कुमार ने प्रियांक खरगे और उनके पिता को छह महीने के लिए नागपुर में संघ के कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया, ताकि वे जान सकें कि संघ क्या है और देश में राष्ट्रीयता और देशभक्ति को मज़बूत करने में इसका क्या योगदान है।

बेंगलूरु में बेटे के हमले में एक व्यक्ति की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु में बेटे के कथित हमले में गंभीर रूप से घायल 70 वर्षीय एक व्यक्ति ने मंगलवार को दम तोड़ दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात इंदिरा नगर पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले दुपनहल्ली में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी मोहना कुमार ने कथित तौर पर अपने पिता मुनिकृष्णप्पा पर धारदार हथियार से हमला किया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां दिन में उसकी मौत हो गई।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीईएल में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 16 फरवरी को बेंगलूरु स्थित नवरत्न रक्षा उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) का दौरा किया, जहां उन्होंने पुणे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र का आभासी उद्घाटन किया और कंपनी की कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। मंत्री ने बेंगलूरु स्थित बीईएल परिसर के अपने दौरे के दौरान, बीईएल द्वारा विकसित माउंटेन फायर कंट्रोल रडार को जनता को समर्पित किया। उन्होंने बीईएल-बेंगलूरु में मिसाइल असेंबली यूनिट का भी उद्घाटन किया और आकाश तृतीय और चतुर्थ रेजिमेंट कॉम्बैट सिस्टम को चालू किया। मंत्री को विभिन्न उन्नत स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें भारतीय स्टार्टअप द्वारा विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित समाधान भी शामिल हैं, जिन्होंने रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार और स्वदेशीकरण को दिए जा रहे महत्व को उजागर किया। उन्होंने उद्योग जगत के साझेदारों बीईएमएल, बीडीएल, एलएंडटी, एमएसएमई और बीईएल के सहयोग से मिसाइल प्रणालियों के निर्माण में शामिल स्टार्टअप्स के साथ बातचीत की। उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए शैक्षणिक साझेदारों आईआईटी-एम और आईआईएससी के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा की गई। सूचना आदान-प्रदान के दौरान, बीईएल की केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स युद्ध और फोटोनिक्स उत्कृष्टता केंद्र, संचार उत्कृष्टता केंद्र, रडार और हथियार प्रणाली और उत्पाद विकास और नवाचार केंद्र द्वारा शुरू की गई स्वदेशीकरण पहलों को प्रदर्शित किया गया। स्टार्टअप्स और उद्योग भागीदारों ने भी अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। मंत्री को स्वदेशी रक्षा उत्पादन और अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करने में बीईएल के महत्वपूर्ण योगदान से अवगत कराया गया। मंत्री को बीईएल में चल रही अनुसंधान और विकास गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई, जो रैपिड रिस्पांस सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट मार्क 2, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, प्रोजेक्ट कुशा, एंटी-ड्रोन सिस्टम और नेवल वेपन्स कंट्रोल सिस्टम जैसे प्रमुख राष्ट्रीय रक्षा कार्यक्रमों के समर्थन में की जा रही हैं।

रणनीतिक सेमीकंडक्टर उपकरणों जैसे सिक्योर सिस्टम ऑन चिप्स, मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट और एप्लीकेशन स्पेसिफिक इंटीग्रेटेड सर्किट के स्वदेशीकरण में बीईएल की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया। यह 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह बताया गया कि स्वदेशी अनुसंधान और विकास पहल थल, वायु, नौसेना और रणनीतिक क्षेत्रों में परिचालन तत्परता को बढ़ा रही हैं और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम कर रही हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किसानों के हितों की रक्षा करता है : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ हाल ही में हुआ व्यापार समझौता भारतीय किसानों के हितों की रक्षा करता है और इसे सावधानीपूर्वक विचार के बाद अंतिम रूप दिया गया है। जयपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने सुनिश्चित किया है कि कोई भी निर्णय देश के किसानों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उन्होंने कहा, मैं भारत का कृषि मंत्री होने के नाते पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि इस व्यापार समझौते में भारतीय किसानों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत के किसानों को कोई नुकसान न हो।

आयात पर चौहान ने कहा कि जिन चीजों की भारत को आवश्यकता है, उन्हें आयात करना पड़ता है। उन्होंने कहा, हम आज भी दालों में आत्मनिर्भर नहीं हैं। यदि कोई आवश्यक वस्तु किसी अन्य देश से आती है तो इसमें आपत्ति क्यों? सेब आयात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करता है। उन्होंने कहा, ये तुर्की और ईरान जैसे देशों से आते हैं। यदि एक लाख मीट्रिक टन अमेरिका से आता है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि हमारे किसानों पर असर न पड़े, तो इसमें समस्या क्या है?

कपास पर उन्होंने कहा कि वस्त्र उद्योग को कमी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सवाल किया कि जब कपास उत्पादन कम होता है तो हमें आयात करना पड़ता है। यदि आवश्यकता है तो आपत्ति क्यों होनी चाहिए? कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए चौहान ने कहा कि वे रोजाना झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, एक नेता हैं जो पार्ट-टाइम राजनेता और फुल-टाइम नाटककार हैं। वे न व्यापार समझते हैं न परंपरा। जिन्होंने कभी गांव और खेत नहीं देखे, वे रोज आरोप लगाते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट क्यों लागू नहीं की, जिसमें उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक पर एमएसपी तय करने की सिफारिश की गई थी। उन्होंने कहा, संप्रग सरकार ने हलफनामा दाखिल किया था कि इससे बाजार बिगड़ जाएगा। नरेन्द्र मोदी ने ही यह निर्णय लिया कि लागत से 50 प्रतिशत अधिक पर एमएसपी दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी पूछा कि 2006-07 में जब रिकॉर्ड चीनी उत्पादन हुआ था तो कांग्रेस ने बफर स्टॉक क्यों नहीं बनाया। उन्होंने कहा, जब कीमतें गिरीं तो किसानों की रक्षा क्यों नहीं की गई? यह कैसा व्यापार था कि चीनी 36 रुपये प्रति किलो आयात की गई और 12.50 रुपये प्रति किलो निर्यात की गई।

खाद्य तेल आयात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 1993-94 तक भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर था और कांग्रेस सरकार ने खाद्य तेलों को ओपन जनरल लाइसेंस में डालकर देश को आयात पर निर्भर बना दिया। उन्होंने कहा, गोदामों में हजारों टन अनाज पड़ा था। उच्चतम न्यायालय ने भी कहा था कि इसे गरीबों में बांट दो। लेकिन तब की संप्रग सरकार ने कहा कि न्यायालय को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। चौहान ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ही 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि किसान अन्नदाता हैं और सरकार किसानों के हितों को बढ़ावा देने और उन्हें तकनीक की मदद से सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। हमें कृषि को पशुपालन और अन्य गतिविधियों से जोड़ना चाहिए ताकि किसानों की आय बढ़े। हमारा प्रयास किसानों की कठिनाइयों को कम करने और समाप्त करने का है। राजग नेतृत्व में किसानों का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम में मंत्री ने किसानों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्लेटफॉर्म 'भारत-विस्तार' लॉन्च किया। यह एक बहु-स्तरीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे कृषि समुदाय को संपूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया, जबकि विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्री वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामले में एसीबी ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जल जीवन मिशन से जुड़े करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामले में मंगलवार तड़के कार्रवाई करते हुए नौ लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें वरिष्ठ अभियंता और सेवानिवृत्त अधिकारी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, जयपुर, बाड़मेर, उदयपुर, करौली, दिल्ली और अन्य स्थानों पर मंगलवार तड़के करीब 18 टीमों ने छापेमारी कर गिरफ्तारी की।

कार्रवाई के दौरान मुख्य अभियंता (प्रशासन) दिनेश गोयल, मुख्य अभियंता (ग्रामीण) के.डी. गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जयपुर द्वितीय शुभांशु दीक्षित, वित्तीय सलाहकार, नवीकरणीय ऊर्जा सुशील शर्मा, मुख्य अभियंता, चुरू नीरिल कुमार, निलंबित कार्यकारी अभियंता विशाल सक्सेना, हाल में सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य अभियंता अरुण श्रीवास्तव, हाल में सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता और तकनीकी सदस्य डी. के. गौड़, हाल में सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता महेंद्र प्रकाश सोनी को गिरफ्तार किया गया।

एसीबी के आधिकारिक बयान के अनुसार, जांच में सामने आया कि गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल और श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद जैन ने कथित तौर पर आईआरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा जारी फर्जी कार्यपूर्णता प्रमाणपत्रों के आधार पर लगभग 960 करोड़ रुपये की निविदाएं हासिल कीं। बयान के अनुसार, इसमें जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आई।

जांच से यह भी पता चला कि पीएचईडी अधिकारियों ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की निविदाओं में अनिवार्य साइट निरीक्षण प्रमाणपत्र की शर्तें शामिल कीं, जो नियमों के विपरीत थीं। इससे बोलीदाताओं की पहचान उजागर हुई। प्रभावी जांच के लिए पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया। एसआईटी ने तकनीकी और दस्तावेजी विश्लेषण के बाद गिरफ्तारियां कीं।

एसीबी ने बताया कि इससे पहले इसी मामले से जुड़े एक प्रकरण में 11 आरोपियों और दो कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया गया था। कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक राजेश सिंह और उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह की देखरेख में की गई। अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव की निगरानी में आरोपियों से पूछताछ जारी है।

गौ हत्या के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा, कार्यवाही कई बार स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गाय को राज्य माता का दर्जा दिए जाने व गौ हत्या के मुद्दे पर मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा के विधायक बालमुकुन्दाचार्य ने प्रश्न किया कि क्या राज्य सरकार गाय को राज्य माता का दर्जा देने का विचार रखती है? इस पर गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा, गो संवर्धन व गोमाता की सेवा के लिए सरकार पूरी तरह से समर्पित है। इनका प्रश्न है कि गाय को राज्य माता का दर्जा देने का सरकार विचार रखती है ...वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विभाग में विचाराधीन नहीं है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कि गो हत्या रोकने के लिए कानून पहले से ही बना हुआ है।

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूछा, सरकार स्पष्ट नहीं कर पा रही है कि वह गाय को गौ माता का दर्जा देगी या नहीं देगी।' उन्होंने कहा, गो हत्याएं हो रही हैं लगातार। पिछले सप्ताह जयपुर में गो हत्या हुई। हिंगोनिया गोशाला में भी ऐसी ही घटना हुई और इस मामले में भाजपा के किसी कार्यकर्ता का नाम है। पार्टी के विधायक उसे छुड़वाने का काम कर रहे हैं।

इस पर सरकार क्या रुख है। दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करेगी। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। भारतीय जनता पार्टी के विधायक गोपाल शर्मा आसन की बिना अनुमति लिए, खड़े होकर जोर-जोर से बोलने लगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उन्हें बैठने के लिए कहा। जब वह नहीं माने तो उन्होंने मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग से शर्मा को बैठाने को कहा।

वहीं कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। सत्तारूढ़ भाजपा के कुछ विधायक भी बोलने लगे। कांग्रेस के कुछ विधायकों ने पोस्टर दिखाने की कोशिश की तो देवनानी ने नाराजगी जताते हुए उन्हें ऐसा करने से मना किया। हंगामा बढ़ता देख अध्यक्ष ने 11 बजकर 41 मिनट पर सदन की कार्यवाही को 12 बजे तक स्थगित कर दिया।

सदन में जब शून्यकाल की कार्यवाही शुरू हुई तो कांग्रेस के सदस्य आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे। सभापति संदीप शर्मा ने आधे घंटे लिए सदन की कार्यवाही को फिर स्थगित कर दिया। कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी व हंगामा, कार्यवाही शुरू होने पर भी जारी रहा। सभापति अर्जुनलाल जीनगर ने कार्यवाही एक बार फिर आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। भोजनावकाश के बाद हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही पहले ढाई बजे व बाद में पांच बजे तक के लिए स्थगित की गई।

गतिरोध समाप्त करने के लिए, सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ के विधायक, अध्यक्ष देवनानी से उनके कक्ष में मिले। कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा विधायक गोपाल शर्मा के बर्ताव पर एतराज जताया जो मुद्दा उठाते हुए विपक्ष की सीटों की तरफ पहुंच गए थे।

खाद्य सुरक्षा योजना में 75 लाख नए लाभार्थियों के नाम जोड़े गए

जयपुर। राजस्थान में खाद्य सुरक्षा योजना में 75 लाख नए लाभार्थियों के नाम जोड़े गए हैं। राज्य सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने विधानसभा में कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना में राज्य के 75 लाख नए लाभार्थियों के नाम जोड़े गए हैं। इससे जरूरतमंद परिवारों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नए लाभार्थियों को जोड़ने के लिए 26 जनवरी 2025 से पोर्टल खोला गया है, कोई भी पात्र व्यक्ति इस पोर्टल के माध्यम से अपना नाम इस योजना में जुड़वा सकता है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोदारा प्रश्नकाल के दौरान विधायक रामनिवास गावड़िया द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय है कि प्रदेश में कोई भी पात्र नागरिक खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित न रहे। मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' के माध्यम से पात्र लाभार्थी देश में कहीं भी अपने हिस्से का राशन प्राप्त कर सकते हैं।

राजस्थान विधानसभा का घेराव करने निकले कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प, 12 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खेल विरोधी नीतियों को समाप्त कर खिलाड़ियों को सुविधाएं और नौकरी देने की मांग को लेकर मंगलवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के खेलकूद प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता बाइस गोदाम से रैली के रूप में विधानसभा का घेराव करने निकले। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार की। इससे पहले पार्टी कार्यकर्ता बाइस गोदाम स्थित सहकार भवन पर एकत्र होकर रैली के रूप में निकले। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड हटाने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने पानी की बौछार का इस्तेमाल कर भीड़ को तितर-बितर किया।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बर्बरता पूर्वक लाठियां बरसाईं, जिससे 12 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को चोट आई है। पठान ने कहा, ''जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखेंगे। हम डरने वाले नहीं हैं। पुलिस गोलियां चलाएगी तो भी हम युवाओं की आवाज को उठाते रहेंगे।'' पठान ने दावा किया कि प्रदेश में भाजपा सरकार के गठन के बाद से खेल बजट में कमी हुई और खिलाड़ियों को समय पर टीए-डीए, प्रोत्साहन राशि और छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है।

उन्होंने कहा कि खेल मैदानों पर अतिक्रमण और स्टेडियम निर्माण कार्य ठप हो गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने विधानसभा अध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपकर भाजपा सरकार पर खेल विरोधी नीतियां को समाप्त कर खिलाड़ियों को सुविधाएं और नौकरी देने की मांग की है। प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

जैसलमेर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध युवक पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। जैसलमेर जिले के म्याजलार पुलिस थाना इलाके में एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। पुलिस के अनुसार, यह युवक मंगलवार सुबह अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास म्याजलार क्षेत्र में संदिग्ध हालत में घूम रहा था। ग्रामीणों ने उसे पकड़ कर सीमा सुरक्षा बल को सौंपा। बल ने उसे आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि प्राथमिक जांच में युवक की पहचान तेलंगाना निवासी मोहम्मद अशफाक हुसैन (38) के रूप में हुई। युवक के पास से भारतीय पासपोर्ट बरामद हुआ है। सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं।

परीक्षा

जयपुर में मंगलवार को एक एग्जाम सेंटर पर सीबीएसई बोर्ड हाई स्कूल एग्जाम देने के लिए छात्र पहुंचे।

राजस्थान के कई इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना

जयपुर। एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार, एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आज दोपहर बाद हल्की बारिश होने की संभावना है।

विक्षोभ का सबसे अधिक असर 18 फरवरी को बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग और शेखावाटी क्षेत्र में होने तथा कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। अधिकतम तापमान बाड़मेर में 34.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान करौली में 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जयपुर में 20 और 22 को होगा वायुसेना की सूर्यकिरण टीम का 'एयर शो'

जैसलमेर। भारतीय वायुसेना की 'एंबेसडर' सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम 20 और 22 फरवरी को जयपुर में 'एयर शो' करेगी। सेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार, सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम यहां जल महल के ऊपर करतब दिखाएगी। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने यहां एक बयान में बताया कि सूर्यकिरण टीम भारत में निर्मित नौ हॉक एमके-132 विमानों के जरिये करतब दिखाएगी। बयान के मुताबिक, इस टीम में कुल 14 पायलट हैं, जिनमें टीम लीडर ग्रुप कैप्टन अजय दसरथी व डिप्टी लीडर विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह हैं।

इस टीम की स्थापना 1996 में हुई थी। यह टीम एशिया की एकमात्र नौ-विमान एरोबैटिक टीम है और दुनिया की चुनिंदा एरोबैटिक टीमों में से एक है। उन्होंने बताया कि टीम ने देश-विदेश में 800 से अधिक एयर शो किए हैं और चीन, श्रीलंका, म्यामां, थाईलैंड, सिंगापुर व संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में अंतरराष्ट्रीय एयर शो में भारतीय वायुसेना की पेशेवर क्षमता का प्रतिनिधित्व किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को पुष्कर में होने वाले शत (100) गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ के पोस्टर का विमोचन किया। यह महायज्ञ प्रखर जी महाराज के सान्निध्य में ब्रह्मतीर्थ पुष्कर में 8 मार्च से 19 अप्रैल तक होगा जिसमें 2000 संध्या वंदनकर्ता पंडितों की ओर से 27 करोड़ गायत्री मंत्र जाप किए जाएंगे। इस 200 कुंडीय महायज्ञ में 3 करोड़ मंत्रों की आहुति दी जाएगी । मुख्यमंत्री से पोस्टर विमोचन कराने पहुंचे प्रतिनिधि मंडल में परमेश्वर शर्मा, पवन पारीक, मुकेश काका, प्यारेलाल शर्मा, महेन्द्र शर्मा एवं रमेश शर्मा मावावाले शामिल थे।

फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीर में शांति के लिए राष्ट्रीय एकता की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने देश से केंद्र-शासित प्रदेश के लोगों की शांति और गरिमा के लिए लड़ाई में एकजुट होने की मंगलवार को अपील की।

अब्दुल्ला केरल राज्य योजना आयोग की ओर से यहां विकास और लोकतंत्र के विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'विजन-2031' के समापन समारोह में बोल रहे थे। अब्दुल्ला के भावपूर्ण संबोधन को ध्यानपूर्वक सुन रहे मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सीट पर लौटने पर उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। अब्दुल्ला ने कहा, हम आपकी ओर देखते हैं और मन ही मन कहते हैं, अल्लाह! तू कब जागेगा, ताकि हम भी आजादी से चल सकें, आजादी से बोल सकें, आजादी से सोच सकें। यही तो लोकतंत्र है-लोगों का, लोगों के लिए, लोगों द्वारा... हमारे बच्चे और हमारे लोग, जिन्होंने दुख झेला है, वे आज भी उत्तर में दुख झेल रहे हैं। हां, उन्हें पाकिस्तानी कहकर पुकारा जा रहा है। उन्होंने कहा, स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हमारे बच्चों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। यह सब कब खत्म होगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के वरिष्ठ नेता ने नम आंखों और रुंधे गले से कहा कि दक्षिण अब भी उन सांप्रदायिक ताकतों से मुक्त है, जो देश को बांटने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने 90 साल की उम्र में यह यात्रा इसलिए की, ताकि आप सभी से कह सकूं कि हमारे बारे में सोचें, हमारे लिए प्रार्थना करें, ताकि हम उत्तर में आज जिस त्रासदी का सामना कर रहे हैं, उससे बाहर निकल सकें।

वंदे मातरम् का अपमान देश के साथ धोखा है

अखिलेश को आरएसएस की शाखाओं में जाना चाहिए : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखाओं में जाकर इसकी परंपराओं और अनुशासन को समझने की सलाह देते हुए कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का कोई भी अपमान ''देश के साथ धोखा'' है।

यादव के वंदे मातरम् गाने और आरएसएस के संदर्भों पर टिप्पणी का जवाब देते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि सपा नेता को संगठन के कामकाज के बारे में सीखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर वह (अखिलेश) आरएसएस की शाखाओं में जाना शुरू कर देते हैं, तो वह सुबह जल्दी उठना सीख जाएंगे। यह उनके हित में होगा और इससे उनके परिवार द्वारा चलाई जाने वाली पार्टी की पहचान बनाए रखने में भी मदद मिल सकती है।''

आदित्यनाथ लखनऊ में एक निजी मीडिया हाउस द्वारा आयोजित 'विकसित भारत - समृद्ध उत्तर प्रदेश' कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् भारत की आज़ादी की लड़ाई का एक मंत्र रहा है और 24 जनवरी, 1950 को संविधान सभा ने इसे राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान या तिरंगे का अपमान संविधान बनाने वालों, बी आर अंबेडकर और उन क्रांतिकारियों का अपमान है जो वंदे मातरम् का नारा लगाते हुए फांसी पर चढ़ गए। ऐसे काम देशद्रोह के बराबर हैं, और आज का भारत इसे स्वीकार नहीं कर सकता।'' अखिलेश यादव ने सोमवार को आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा था, ''मुख्यमंत्री को पता ही नहीं कि प्रदेश में क्या हो रहा है। इनके अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों ने कभी वंदे मातरम् नहीं गाया। न आजादी के पहले गाया और न आजादी के बाद गाया। इन्हें अपने अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों से पूछना चाहिए कि आपने आजादी से पहले वंदे मातरम् क्यों नहीं गया। सुजलाम, सुफलाम क्यों नहीं गाया?'' समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग अपने कार्यकाल में बदलाव लाने में नाकाम रहे, वे अब दुष्प्रचार के जरिए विकास में रुकावट डालने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया, ''2017 से पहले, उत्तर प्रदेश में अराजकता, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद था। तब से, राज्य ने सभी क्षेत्रों में बदलाव देखा है और आज यह देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।''

मैक्रों ने मुंबई के मरीन ड्राइव पर 'जॉगिंग' के साथ भारत यात्रा की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मुंबई पहुंचने के तुरंत बाद मरीन ड्राइव पर 'जॉगिंग' कर वहां सुबह की सैर कर रहे लोगों को अचंभित कर दिया। गहरे नीले रंग की टी-शर्ट, काले रंग के शॉर्ट्स और 'रनिंग शू' पहने हुए मैक्रों सुबह की सैर करने वाले लोगों में से ही एक नजर आ रहे थे, वहीं सुरक्षाकर्मी उनसे कुछ दूरी बनाते हुए उनके साथ मौजूद थे।

आधिकारिक बैठकों एवं व्यस्त कार्यक्रमों के शुरू होने से ठीक पहले, फ्रांसीसी राष्ट्रपति को 'जॉगिंग' करते हुए देखा गया। मरीन ड्राइव पर मौजूद लोगों ने उनकी 'जॉगिंग' के वीडियो बनाए जो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब मैक्रों ने किसी आधिकारिक यात्रा की इस तरह से शुरुआत की हो।

पिछले साल दिसंबर में, चीन की राजकीय यात्रा के दौरान मैक्रों ने दक्षिण पश्चिमी चीन के शिचुआन प्रांत के चेंगदु में 'जॉगिंग' की थी, जिसका वीडियो सामने आया था। राष्ट्रपति और फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों ने बाद में, दक्षिण मुंबई के ताजमहल पैलेस होटल में नवंबर 2008 में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी के न्योते पर राष्ट्रपति मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति 'एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेंगे। यह राष्ट्रपति मैक्रों की भारत की चौथी और मुंबई की पहली यात्रा है।

विकास का 'सनातन मॉडल' ही भारत को फिर से विश्व गुरु बना सकता है : राजेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। जल संरक्षण प्रयासों के लिए मशहूर और रेमन मैगसायसाय पुरस्कार जीतने वाले 'जल पुरुष' राजेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि विकास का 'सनातन मॉडल' ही भारत को फिर से विश्व गुरु बना सकता है। सिंह 'विकास के साथ पर्यावरण की चुनौतियां: सतत विकास के लिए मिलकर कोशिशें' विषय पर संगोष्ठी के पहले सत्र को संबोधित कर रहे थे, जिसे उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयू) ने मिलकर आयोजित किया था।

सिंह ने कहा कि भारत की पुरानी ज्ञान व्यवस्था ने लंबे समय से मनुष्यों और प्रकृति के बीच तालमेल पर ज़ोर दिया है। उन्होंने कहा, ''सनातन का मतलब है हमेशा रहने वाला और हमेशा नया होने वाला। पुराने भारत का विकास टिकाऊपन पर आधारित था। वेदों और उपनिषदों में सदियों पहले प्रकृति के प्रति इंसानी जिम्मेदारियों की बात की गई थी।'' उन्होंने कहा कि भारत को आज की पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए इस मॉडल पर फिर से सोचना चाहिए। सिंह ने कहा, ''विकास का सनातन मॉडल, जिसमें आर्थिक तरक्की को पर्यावरण की सुरक्षा के साथ जोड़ा गया हो, भारत को विश्व गुरु का दर्जा वापस पाने में मदद कर सकता है।''

ईडी ने लुधियाना के उद्योगपति के 'डिजिटल अरेस्ट' मामले में संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने लुधियाना के प्रसिद्ध उद्योगपति एस पी ओसवाल के 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत एक 'म्यूल' बैंक खाते में जमा 1.76 करोड़ रुपए की धनराशि जब्त कर ली है। ईडी के बयान में कहा गया कि यह धनराशि मृत्युंजय मल्टीट्रेड नामक एक इकाई के बैंक खाते में पड़ी थी और इस बैंक खाते का इस्तेमाल 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे विभिन्न साइबर अपराधों से अर्जित अपराध की आय को प्राप्त करने और उसे स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था। पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने इस धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था, जिसका संज्ञान ईडी ने लिया।

एजेंसियों के अनुसार, वर्धमान ग्रुप के अध्यक्ष ओसवाल को अगस्त 2023 में सीबीआई के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने वालों ने 'डिजिटल अरेस्ट' कर लिया था और उनसे सात करोड़ रुपए की उगाही की थी। जांच में पता चला कि साइबर अपराध से प्राप्त धन को कई बैंक खातों में भेजा गया और ये खाते ''आर्थिक रूप से कमजोर'' व्यक्तियों को ऋण की व्यवस्था करने या रोजगार प्रदान करने के झूठे वादे करके खोले गए थे। ईडी ने इस मामले में 2025 में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 'म्यूल' खातों का इस्तेमाल वित्तीय अपराधों से अर्जित धन को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है और इसका असली मालिक इसका उपयोगकर्ता नहीं होता है। ऐसे खाते फर्जी या किराए पर लिए गए केवाईसी का उपयोग करके बनाए जाते हैं, जहां कोई व्यक्ति निश्चित कमीशन के बदले अपना खाता उधार देता है। 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर अपराध का एक तरीका है, जिसमें अपराधी पुलिस या जांच एजेंसी के अधिकारी बनकर लोगों को डराते हैं। वे धमकी देते हैं कि अगर पैसे नहीं दिए, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा या मुकदमा चलाया जाएगा, और इसी डर के सहारे उनसे पैसे वसूलते हैं।

रामविलास पासवान के 'अपमान' को लेकर तेजस्वी माफी मांगें : लोजपा (रामविलास)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में मांग की कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा किए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत रामविलास पासवान के कथित अपमान को लेकर तेजस्वी यादव सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

बोधगया से राजद विधायक कुमार सर्वजीत ने पिछले सप्ताह पासवान की राजनीतिक यात्रा के संदर्भ में उन्हें बेचारा कहा था। सर्वजीत ने साथ ही विधानसभा अध्यक्ष से पटना के एक प्रमुख चौराहे पर पासवान की प्रतिमा स्थापित कराने की भी मांग की थी, ताकि बिहार की राजनीति में उनके योगदान को रेखांकित किया जा सके। विधानसभा परिसर के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा, हम मांग करते हैं कि राजद विधायक दल के नेता के रूप में तेजस्वी यादव सदन में सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उनके नेता ने एक ऐसे महान व्यक्ति का अपमान किया है, जिनका 50 वर्ष का बेदाग राजनीतिक करियर रहा और जिन्होंने छह प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया। जब उनसे यह पूछा गया कि सर्वजीत ने पासवान की प्रतिमा लगाने की भी मांग की है, तो तिवारी ने कहा, उन्हें गिरगिट की तरह रंग बदलना बंद करना चाहिए। पहले रामविलास पासवान जी के अपमान के लिए माफी मांगें। उसके बाद हम निश्चित रूप से उनके नाम पर प्रतिमा स्थापित करने के मुद्दे पर विचार करेंगे।

दूसरी ओर, सर्वजीत ने दावा किया, ''राजू तिवारी इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि बिहार में दलितों के मसीहा व सभी जातियों व धर्मों के गरीब लोगों के लिए काम करने वाले एक नेता की प्रतिमा लगाने की मांग उठाई गई है।''

चेक बाउंस मामलों में न्यायालय के सजा निलंबित करने के बाद अभिनेता राजपाल यादव तिहाड़ जेल से रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा चेक बाउंस मामलों में अस्थायी रिहाई की अनुमति दिए जाने के बाद अभिनेता राजपाल यादव मंगलवार शाम तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। सूत्रों के मुताबिक, सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद राजपाल यादव शाम करीब 4:50 बजे तिहाड़ जेल से बाहर निकले। शिकायतकर्ता को डेढ़ करोड़ रुपए दिए जाने के बाद उन्हें राहत दी गई। यादव ने कहा, 2027 में, मैं बॉलीवुड में काम करते हुए 30 साल पूरे कर लूंगा। सभी लोग मेरे साथ रहे हैं। इसीलिए मैं 200-250 फिल्म कर सका। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने हमेशा उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किया है और आगे भी करते रहेंगे। जब भी आवश्यकता होगी वह उपलब्ध रहेंगे। यादव ने कहा, ''उन्हें पूरे देश के लोगों का प्यार एवं समर्थन प्राप्त है, और अगर कोई आरोप लगते हैं, तो वह पूरी तरह से और पारदर्शी तरीके से जवाब देने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर किसी को कानूनी जानकारी चाहिए तो वे मेरे वकील से बात कर सकते हैं।'' न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने इस बात पर गौर करने के बाद छह महीने की सजा को अंतरिम रूप से निलंबित कर दिया कि यादव ने शिकायतकर्ता, मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 1.5 करोड़ रुपए जमा करा दिए हैं।

'बेटी के बाद बेटे को भी खो दोगे' : बिहार की मृत नीट अभ्यर्थी के परिवार को मिली धमकी

जहानाबाद/भाषा। बिहार में कथित यौन उत्पीड़न के बाद मौत की शिकार एक नीट अभ्यर्थी के परिवार ने आरोप लगाया है कि उन्हें धमकी दी गई है कि ''उनके बेटे का भी उनकी बेटी जैसा अंजाम होगा।'' पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नीट अभ्यर्थी की मौत के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। परिवार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके घर के अंदर एक कागज फेंका गया, जिस पर लिखा था, तुम अपनी बेटी को खो चुके हो और अगर तुम नहीं माने तो अपने बेटे को भी खो दोगे।

जहानाबाद जिले के शकुराबाद थाने के प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि शनिवार को भी इसी तरह का धमकी भरा पत्र घर के अंदर फेंका गया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद उनके घर पर सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, ताजा शिकायत की जांच की जाएगी और उचित कदम उठाए जाएंगे। करीब 18 वर्षीय छात्रा पटना के एक निजी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। पिछले महीने वह छात्रावास में अचेत अवस्था में मिली थी और कुछ दिनों बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

असम सरकार ने 62,294.78 करोड़ रु. का अंतरिम बजट पेश किया, प्रमुख योजनाएं जारी रहेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम की वित्त मंत्री अजंता नियोग ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 62,294.78 करोड़ रुपए का अंतरिम बजट विधानसभा में पेश किया और कहा कि प्रत्यक्ष नकद लाभ देने वाली प्रमुख योजनाएं आने वाले वर्षों में भी जारी रहेंगी। राज्य में कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

चुनाव से पहले अपना अंतिम बजट पेश करते हुए नियोग ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इस समय असम देश का सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य है। उन्होंने कहा, '' मैं वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती महीनों के लिए अनुदान मांगों पर लेखानुदान (वोट ऑन अकाउंट) प्रस्तुत कर रही हूं, जिसकी राशि 62,29,478.30 लाख रुपए है ताकि पूर्ण बजट आने तक सरकार सामान्य सेवाएं जारी रख सके।'' नियोग ने कहा कि प्रमुख 'निजुत मोइना' योजना के तहत 2023-24 और 2024-25 के बीच छात्राओं के स्कूल छोड़ने की दर में 8.2% की कमी आई है। माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के कुल नामांकन अनुपात में 4.2% और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 7.5% की वृद्धि हुई है।

वित्त मंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री निजुत मोइना असोनी' योजना के तहत सरकार ने 1,000 रुपए से 2,500 रुपए तक की मासिक वित्तीय सहायता के लिए करीब 260 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं जिससे 55 लाख से अधिक छात्राओं को सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, '' इसी प्रकार, मुख्यमंत्री निजुत बाबू योजना के तहत, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 47,428 लड़कों को 1,000 रुपए से 2,000 रुपए की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।''

रांची में व्यक्ति को कार के बोनट पर घसीटा गया, जांच जारी

रांची/भाषा। रांची में मंगलवार को दिनदहाड़े एक व्यक्ति को कथित तौर पर चलती कार के बोनट पर घसीटा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस घटना का 40 सेकेंड से अधिक का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना डोरंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत राजेंद्र चौक के पास हुई। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका।

डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद ने कहा, ''घटना हुई है और पुलिस ने इसका संज्ञान लिया है। मामले की जांच की जा रही है।'' वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि हेलमेट पहने पीड़ित द्वारा मर्सिडीज चला रहे व्यक्ति से गुहार लगाई जा रही है। पीड़ित यह कहता सुनाई देता है: ''अगर मैं गिर गया तो क्या होगा? अरे, मैं मर जाऊंगा। गाड़ी रोको, रोको। मैं इस आदमी पर मुकदमा करूंगा।''

सोनिया ने मुझे कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ के लिए तारीख तय करने को कहा था : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि 2014 में जब कांग्रेस के 58 विधायकों ने उनका समर्थन किया था, तब तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उनसे पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने की तारीख तय करने को कहा था। हालांकि, उस समय अमेरिका यात्रा पर गए राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं को फोन किया और स्थिति बदल गई। शर्मा ने राज्य विधानसभा में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यहां संवाददाताओं से यह बात कही। असम में 2011 के विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस में असंतोष देखा गया था, जब विधायकों के एक वर्ग ने तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की जगह शर्मा को मुख्यमंत्री के तौर पर समर्थन दिया था।

शर्मा 2015 में कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और उन्होंने विधानसभा चुनावों में पार्टी की पहली जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। शर्मा ने कहा, ''मैडम (सोनिया गांधी), उन्हें मैं अब भी यही कहता हूं, ने मुझसे तारीख तय करने को कहा था और मैंने उनसे कहा था कि मैं जून (2014) में कामाख्या मंदिर में अंबुबाची मेले के बाद शपथ लूंगा।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के फोन करने के बाद स्थिति बदल गई। शर्मा ने कहा, ''तब मुझे दुख हुआ था, लेकिन अब मेरा मानना है कि किसी की जिंदगी में जो भी होता है, वह अच्छे के लिए होता है और कांग्रेस में रहने पर मुझे जो मिलता, भगवान ने उससे ज्यादा दिया।''

साल 2021 में मुख्यमंत्री बने शर्मा ने कहा, ''भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री बनने के बाद मुझे पूरे दिल से असम और सनातन धर्म दोनों की सेवा करने का मौका मिला, जो कांग्रेस में रहने पर मुमकिन नहीं होता। मैं इसके लिए राहुल गांधी का शुक्रिया अदा करता हूं।'' उन्होंने कहा कि अगर वह कभी कोई किताब लिखेंगे तो इन घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताएंगे। शर्मा ने दावा किया, ''जब मल्लिकार्जुन खरगे यहां आए थे, तब कांग्रेस के 58 विधायकों ने मेरा समर्थन किया था; कुछ नेता तटस्थ रहे और केवल 12 ने कहा था कि यथास्थिति बनी रहनी चाहिए।''

हुमायूं को मस्जिद निर्माण के लिए 50 प्रतिशत धनराशि बांग्लादेश से मिली : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को दावा किया कि जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के संस्थापक हुमायूं कबीर को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर यहां मस्जिद बनाने के लिए आधी धनराशि बांग्लादेश से मिली है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने दावा किया कि कबीर पिछले साल 28 सितंबर को एक सप्ताह के लिए धन की व्यवस्था करने बांग्लादेश गए थे। अधिकारी ने दावा किया, ''कबीर ने मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में मस्जिद के लिए 50 प्रतिशत धनराशि बांग्लादेशी दानदाताओं से जुटाई है, जो जमात जैसे संगठनों से जुड़े हुए हैं। वह (कबीर) अल्पसंख्यकों के बीच बन रहे ममता बनर्जी विरोधी माहौल को रोकने के लिए टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) की गुपचुप तरीके से मदद कर रहे हैं।''

कबीर को ''जमात और टीएमसी के बीच की कड़ी'' बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया, ''इस्लामी कट्टरपंथी भारत और बांग्लादेश की सीमा के दोनों ओर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। बंगाली हिंदुओं के लिए स्थिति चिंताजनक है।'' टीएमसी से निष्कासित कबीर ने पलटवार करते हुए दावा किया कि अधिकारी ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है, जो उनके ''बेतुके दावों से स्पष्ट है''। कबीर ने बांग्लादेश की यात्रा के लिए कहा, ''मेरी यात्रा का पूरा ब्यौरा खुली किताब की तरह सबके सामने है। मैं 10 अक्टूबर को शाम पांच बजे मालदा होते हुए भारत लौटा हूं। अगर शुभेंदु अधिकारी चाहें तो मैं उन्हें अपनी पूरी यात्रा का कार्यक्रम भेज सकता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं सोच भी नहीं सकता कि कोई इतना नीच काम कर सकता है और बांग्लादेश की मेरी यात्रा को बाबरी मस्जिद के वित्तपोषण से जोड़ सकता है। बाबरी मस्जिद के लिए पूरे भारत के लोगों ने उदारतापूर्वक दान दिया है और सब कुछ पारदर्शी है।'' कबीर ने बताया कि वह बांग्लादेश अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मुलाकात करने गए थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी को मस्जिद के लिए धन के स्रोत का पता लगाने के साथ-साथ बांग्लादेश की मेरी यात्रा की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच की मांग करनी चाहिए।

ममता ने निर्वाचन आयोग को 'तुगलकी आयोग' बताया, मतदाता सूचियों में हेरफेर का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग को एक राजनीतिक दल द्वारा संचालित तुगलकी आयोग करार दिया और राज्य की मतदाता सूचियों में व्यापक हेरफेर का आरोप लगाया।

राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, भाजपा के आईटी सेल की एक महिला पदाधिकारी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करके बंगाल में 58 लाख मतदाताओं के नाम हटवा दिए। निर्वाचन आयोग उच्चतम न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहा है, मतदाताओं को निशाना बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

मतदाता सूची से नाम हटाने के मुद्दे पर उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निर्देश पर निर्वाचन आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पश्चिम बंगाल के मतदाताओं के नाम हटा रहा है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया, ''तार्किक विसंगतियों का हवाला देते हुए, यह लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन रहा है और आम लोगों के साथ आतंकियों की तरह बर्ताव कर रहा है। भाजपा को खुश करने के लिए बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है।''

निर्वाचन आयोग द्वारा निलंबित किए गए सात सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, ''अगर बंगाल सरकार के अधिकारियों को (निर्वाचन आयोग द्वारा) निशाना बनाया जाता है, तो हम उनकी शत-प्रतिशत रक्षा करेंगे और जिन्हें पदावनत किया गया है उन्हें पदोन्नत करेंगे।''

बनर्जी ने दावा किया कि राज्य में एसआईआर को लेकर चिंता और काम से संबंधित दबाव के कारण 160 लोगों की जान चली गई।

सुविचार

सच बोलने के लिए किसी भी तरह की तैयारी की जरूरत नहीं होती, तैयारी तो झूठ बोलने की करनी पड़ती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पवित्र बंधन की मर्यादा न भूलें

उच्चतम न्यायालय की इस टिप्पणी ने रिश्तों को लेकर बहस छेड़ दी है कि 'शादी से पहले किसी पर भी भरोसा न करें।' यह टिप्पणी शादी के झूठे वादे और दुष्कर्म से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान की गई। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना के इन शब्दों में युवा पीढ़ी के लिए गहरी शिक्षा है– 'हम यह समझने में असमर्थ हैं कि वे शादी से पहले शारीरिक संबंध कैसे बना सकते हैं? हो सकता है कि हम पुराने ख़यालों के हों, लेकिन आपको बहुत सतर्क रहना चाहिए। शादी से पहले किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए।' हाल के वर्षों में न्यायालयों में ऐसे मुकदमों की बाढ़–सी आ गई है, जिनमें शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया। कई न्यायाधीश इन पर चिंता जता चुके हैं। जो युवा सोशल मीडिया और एआई के जरिए दुनियाभर की जानकारी रखते हैं, क्या उन्हें यह नहीं पता कि सिर्फ शारीरिक आकर्षण दांपत्य जीवन का आधार नहीं हो सकता? कुछ युवा 'बिन फेरे, संग तेरे' जैसे चलन को प्रगतिशीलता से जोड़कर देखते हैं। उनके पास तर्क होता है– 'जब कोई कानून हमें नहीं रोक रहा तो आप कौन होते हैं?' वास्तव में यह कुतर्क है। ऐसे कई काम हैं, जिनसे कानून नहीं रोकता, लेकिन उनके नतीजे भयानक हो सकते हैं। मनुष्य को अपने विवेक का भी इस्तेमाल करना चाहिए। पिछले पांच वर्षों में ऐसे कितने ही मामले सामने आ गए, जब किसी युवक–युवती ने लिव–इन रिलेशनशिप के साथ अपने संबंधों की शुरुआत की और कुछ ही महीने बाद दोनों अदालतों के चक्कर लगाने लगे। युवती ने दुष्कर्म का आरोप लगाया, युवक ने आर्थिक शोषण का मुद्दा उठाया। पहले, दोनों साथ जीने–मरने की कसमें खाया करते थे। अब एक–दूसरे की शक्ल देखना भी पसंद नहीं करते।

पिछले पांच वर्षों में ऐसे कितने ही मामले सामने आ गए, जब किसी युवक-युवती ने लिव-इन रिलेशनशिप के साथ अपने संबंधों की शुरुआत की और कुछ ही महीने बाद दोनों अदालतों के चक्कर लगाने लगे।

जिन पश्चिमी देशों ने ऐसे रिश्तों को बढ़ावा दिया, वहां परिवार व्यवस्था की क्या दुर्गति हुई? क्या हमें इसे एक चेतावनी नहीं समझना चाहिए? पश्चिमी समाज की देखादेखी में ऐसे तौर–तरीकों को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बनाने से पहले उनके नतीजों के बारे में जरूर विचार कर लेना चाहिए। उच्चतम न्यायालय जिस मामले की सुनवाई कर रहा है, उसमें ऐसे कई बिंदुओं का उल्लेख किया गया है, जिन पर युवक–युवती और उनके माता–पिता पहले ध्यान देते तो ऐसी नौबत ही न आती। दोनों की मुलाकात एक वैवाहिक वेबसाइट पर हुई थी। युवक ने शादी का वादा किया और युवती को दुबई ले गया था। वहां उसके आपत्तिजनक वीडियो बनाए और उन्हें प्रसारित करने की धमकी दी। बाद में खुलासा हुआ कि युवक ने दूसरी महिला से शादी कर ली। युवती और उसके परिवार को उसी समय सतर्क हो जाना चाहिए था, जब युवक ने दुबई जाने का प्रस्ताव रखा था। ऐसे प्रस्ताव को सख्ती से खारिज करना चाहिए था। धोखा होने पर कानून की मदद ली जा सकती है, लेकिन खुद की भी जिम्मेदारी होती है। जिस युवक को सिर्फ वेबसाइट के जरिए जाना है, जिसके गुण–दोष का पता नहीं है, उसके मन में क्या है, इसका ज्ञान नहीं है, वह काफी हद तक अजनबी ही है। उस पर इतना विश्वास करना बिल्कुल सुरक्षित नहीं है। जो युवक शादी से पहले ऐसी मांग करता है, उसकी नीयत पर तुरंत संदेह करना चाहिए। उसकी पृष्ठभूमि के बारे में पता लगाना चाहिए और उचित समझें तो अपना रास्ता अलग कर लेना चाहिए। विवाह कोई खेल या मनोरंजन नहीं है। यह एक पवित्र बंधन है। अगर किसी भी कारण से इसकी पवित्रता और मर्यादा का उल्लंघन होता है तो समय रहते सतर्क हो जाना चाहिए। अन्यथा बाद में पछतावा ही बाकी रहेगा।

ट्वीटर टॉक

आज सचिवालय स्थित कार्यालय में राजस्व राज्यमंत्री श्री विजय सिंह जी, जमवारामगढ़ विधायक श्री महेंद्रपाल मीणा जी एवं भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री श्री जगवीर छाबा जी सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे जनप्रतिनिधियों और आमजन से शिष्टाचार भेंट की।

–दिया कुमारी

बीते वर्षों में देश ने कई स्थानों, संस्थानों और कानूनों के नामों को भारतीय पहचान और महान विभूतियों से जोड़ा है। यह केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि इतिहास को सही दृष्टि से देखने, अपने नायकों का सम्मान करने और स्वतंत्र भारत की आत्मा को स्थापित करने का प्रयास है।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

जब कांग्रेस की सरकार थी, तब हजारों टन अनाज सरकारी गोदामों में सड़ रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि, गरीबों में बाँट दो लेकिन आपने कहा, कोर्ट सरकार के काम में दखल न दें। गरीब को अन्न देने में दिक्कत क्या थी..? किसका हित बचाया जा रहा था..?

–शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

संयम से धन संचय

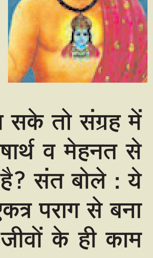

एक संत आश्रम में प्रवचन कर रहे थे। संत ने वैदिक साहित्य में वर्णित उद्धरणों का हवाला देकर कहा कि मनुष्य को धन का उपयोग इंद्रियों के संयम के साथ जरूरत के अनुसार करना चाहिए। धन इतना ही रखना चाहिए जो जीवनयापन के लिए जरूरी हो और मुश्किल वक्त में काम आ सके। इंसान को धन का एक अंश परोपकार की मंशा से जरूरतमंदों को दान कर देना चाहिए। संत के प्रवचन के बाद शिष्यों में धन संग्रह व उसके उपयोग को लेकर तर्क–वितर्क होने लगे। कई शिष्य कहने लगे कि यदि धन सुरक्षित रखा जा सके तो संग्रह में क्या बुराई है। यही सवाल एक शिष्य ने संत से पूछा कि पुरुषार्थ व मेहनत से अर्जित धन यदि सुरक्षित रूप से रखा जा सके तो क्या बुराई है? संत बोले : ये ठीक ऐसा ही होगा जैसा मधुमक्खियों द्वारा कठिन मेहनत से एकत्र पराग से बना शहद जमा करना, जिसकी मिठास हमेशा ही दूसरे लोगों व जीवों के ही काम आती है।

सामयिक

अब एआई कंटेंट की होगी बेहतर निगरानी

रोहित माहेश्वरी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जहां दुनिया को तेज और स्मार्ट बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग ने भी गंभीर चिंता पैदा कर रखी है। डीपफेक वीडियो, फर्जी तस्वीरें और एआइ जनित भ्रामक सामग्री न केवल लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि साइबर ठगी और सामाजिक भ्रम का कारण भी बन रही हैं। इन खतरों को मध्य में रखकर केंद्र सरकार की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में किए गए हालिया संशोधन को डिजिटल दुनिया में बढ़ती चुनौतियों के बीच एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है। आगामी 20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब एआई से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दी गई है। नए प्रावधानों के तहत एआई कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ने की अनिवार्यता भी तय की गई है, ताकि ऐसे कंटेंट की पहचान आसानी से की जा सके। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय कंपनियों के लिए साइबर सुरक्षा अब सबसे बड़ी चुनौती है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल, जैसे कि चैटजीपीटी की मदद से नकली आधार और पैन कार्ड बनाए जा सकते हैं। इस रिपोर्ट ने एआई के संभावित दुरुपयोग की क्षमता के बारे में नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

एक नए सर्वे में 51 फीसदी बिजनेस लीडर्स ने इसे प्राथमिक जोखिम माना। 'फिक्की–ईवाय रिस्क सर्वे 2026' की रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। इसमें डिजिटल युग के बढ़ते खतरों पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी जोखिम अब सीधे कंपनी के कामकाज से जुड़ गए हैं। सर्वे के अनुसार, 61 फीसदी लोग साइबर हमलों से डरे हुए हैं। डेटा चोरी और धोखाधड़ी को 57 फीसदी ने बड़ा जोखिम माना। लगभग 47 फीसदी कंपनियां इन आधुनिक खतरों से निपटने में नाकाम हैं। साइबर हमलों से कंपनियों की प्रतिष्ठा और वित्त पर असर पड़ता है। डिजिटल बदलाव कंपनियों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। यह सर्वे 137 सीईओ और सीनियर डिसीजन–मेकर्स पर आधारित है। इसमें 21 फीसदी प्रतिभागी टेक्नोलॉजी सेक्टर से थे। प्रोफेशनल सर्विसेज दूसरे नंबर पर।

साइबर अटैक अब सिर्फ आईटी मुद्दा नहीं। यह ऑपरेशनल कंटिन्यूटी से जुड़ा है। 61फीसदी लीडर्स मानते हैं कि साइबर हमले वित्तीय और रेपुटेशनल खतरा हैं। तेज टेक्नोलॉजिकल बदलावों को 61फीसदी कंपनियां प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाला मान रहे हैं। सर्वे के अनुसार, आज के दौर में एआइ एक 'दोधारी तलवार' बन गया है। करीब 60 फीसदी विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी पिछड़ापन घातक है। सही समय पर नई तकनीक न अपनाना नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, 54 फीसदी लोग एआइ के एथिकल और गवर्नेंस संबंधी जोखिमों से चिंतित हैं। इन जोखिमों का प्रबंधन अभी भी प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है। ग्लोबल साइबरपीस समिट 2026 में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार 2024–2025 के दौरान दर्ज साइबर हमलों में एआई और ऑटोमेशन का व्यापक इस्तेमाल देखने को मिला है। अब साइबर अपराधी किसी छोटे गैंग की तरह नहीं, बल्कि कंपनियों की तरह संगठित ढांचे में काम कर रहे हैं। दक्षिण–पूर्व एशिया, अफ्रीका, मध्य–पूर्व और भारत के कुछ हिस्सों से संचालित ये नेटवर्क अलग–अलग विभागों में बंटे हुए हैं। इन गिरोहों के पास भर्ती करने वाली टीम, वेतन और प्रमोशन देखने वाले लोग और यहां तक कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट यूनिट भी होती है। ये टीमें टेक्नोलॉजी की कमियों और इंसानी व्यवहार की कमजोरियों को खोजकर उनका फायदा उठाती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में साइबर अपराध से दुनिया को लगभग 10.8 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान था, जो इस साल करीब 12 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। कई अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों का दावा है कि अब लगभग 80 प्रतिशत साइबर हमलों में किसी न किसी रूप में एआई की भूमिका है। एआई का इस्तेमाल अब डीपफेक तकनीक में भी हो रहा है। डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में अपराधी किसी प्रसिद्ध पुलिस अधिकारी का चेहरा और आवाज नकली तरीके से दिखाकर पीड़ित को डराते हैं जिससे वह खुद को असली अधिकारी से बात करते हुए समझता है। साइबर अपराध में अब ट्रिपल एक्सटॉर्शन मॉडल भी सामने आया है। इसमें पहले रैनसमवेयर से डेटा लॉक किया जाता है फिर उसे लीक करने की धमकी देकर पैसे वसूले जाते हैं। इसके अलावा क्राइम–एस–ए–सर्विस का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ रहा है। इसमें संगठित गिरोह उन लोगों को भी अपराध की सुविधा देते हैं जिनके पास तकनीकी जानकारी नहीं होती। यानी पैसे दो और तैयार साइबर क्राइम सेवा लो। इस तरह के मामलों में कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तक ठगी का शिकार हो चुके हैं। साफ है कि एआई ने साइबर अपराध को पहले से कहीं ज्यादा संगठित तेज और खतरनाक बना दिया है।

वर्तमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के तो कई तरीके मौजूद हैं, लेकिन इन्हें किस हद तक इस्तेमाल में लाया जाना चाहिए, इसके लिए नियम–कानूनों का अभाव है। हमारा देश और दुनिया भी एआई के बढ़ते कदमों और उसके प्रभावों को लेकर गंभीर है। इसी क्रम में दिल्ली के भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आगाज हो रहा है। 20 फरवरी तक चलने वाले इस महाकुंभ में दुनिया की 300 से ज्यादा कंपनियां भविष्य की तकनीक दिखाएंगी। खेती से लेकर सेहत तक, एआई आपकी जिंदगी को कैसे आसान बनाएगा, इसकी पूरी झलक यहां देखने को मिलेगी। आईटी के नए नियमों का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि अब एआई से बने कंटेंट को छिपाना आसान नहीं रहेगा। लेबलिंग व डिजिटल पहचान चिह्न से आम व्यक्ति यह समझ सकेगा कि उसके सामने मौजूद सामग्री वास्तविक है या तकनीक से तैयार की गई है। इससे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक अभियानों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। चुनाव, सामाजिक मुद्दों और संवेदनशील घटनाओं के दौरान यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी सुरक्षित रखने में सहायक होगी, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। इन तमाम बातों के बीच सवाल यह भी है कि सिर्फ नियम–कायदे बनाना ही काफी नहीं, बल्कि इन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है।

वैसे भी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की संख्या और कंटेंट की मात्रा इतनी अधिक है कि केवल नियमों के सहारे नियंत्रण करना आसान नहीं होगा। इसके लिए तकनीकी निगरानी तंत्र को मजबूत करना, प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करना और उल्लंघन की स्थिति में त्वरित दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। क्योंकि यदि नियमों का पालन ढीला रहा, तो इनका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। इसके साथ ही नागरिकों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। लोगों को यह समझना होगा कि हर वायरल वीडियो या तस्वीर सत्य नहीं होती। जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। साझे प्रयासों से ही एआई का सकारात्मक लाभ हम उठा सकते हैं। वरना हमारी सुविधा के लिए बनी तकनीक हमारे लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

नजरिया

भगवान को पाने के लिए भूखे श्वान की भाँति रोओ। ईश्वर भजन के बिना नहीं मिलते। स्त्री जाति को देवी समझो। जो कामना रहित है, वही सच्चा भक्त। रामकृष्ण का जीवन एक दर्पण है, जो हमें आध्यात्मिकता की ओर ले जाता है। वे कहते, मैं कोई अवतार नहीं, केवल भक्त हूँ। किंतु उनके अनुयायी उन्हें अवतार मानते। दक्षिणेश्वर काली मंदिर आज तीर्थस्थल है। वहाँ उनके चित्र से दर्शन होते हैं। कामारपुकुर में जन्मभूमि मंदिर है। विश्व भर में रामकृष्ण जयंती धूमधाम से मनाई जाती। उनके जीवन से हम सीखते हैं कि भक्ति, ज्ञान, कर्म सभी मार्ग ईश्वर तक ले जाते। आज के भौतिकवादी युग में रामकृष्ण का संदेश आध्यात्मिक जागरण का माध्यम है। उनका जीवन सिद्ध करता है कि साधारण मनुष्य भी परम सत्य प्राप्त कर सकता है। रामकृष्ण परमहंस अमर हैं।

माँ काली के भक्त से 'परमहंस' तक का सफर

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

रामकृष्ण परमहंस का जीवन भारतीय आध्यात्मिक इतिहास की एक अमूल्य धरोहर है। 18 फरवरी 1836 को पश्चिम बंगाल के हुगली नदी के किनारे बसे छोटे से ग्रामीण क्षेत्र कामारपुकुर में एक साधारण ब्राह्मण परिवार में उनका जन्म हुआ था। उनके पिता खुदीराम चट्टोपाध्याय एक गरीब लेकिन धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, जो गाँव में पूजा–पाठ और धार्मिक कार्यों से जुड़े रहते थे। माता चंद्रमणि देवी भी परम भक्तिमयी स्त्री थीं, जिनकी गोद में बालक गदाधर–रामकृष्ण का बाल नाम–को बचपन से ही ईश्वरीय ज्योति प्राप्त हुई। गदाधर बचपन से ही असामान्य थे। वे सामान्य बाल लीला में कम रुचि रखते थे और अधिकतर वन–उपवन में भगवान के दर्शन में लीन रहते। गाँव के लोगों को अक्सर देखते कि वे पेड़ों की डालियों पर चढ़कर नाचते–गाते या मिट्टी के रूप में देवी–देवताओं की मूर्तियाँ बनाकर उनकी पूजा करते। एक बार होली के अवसर पर वे श्रीकृष्ण भक्ति में इतने तल्लीन हो गए कि नाचते–नाचते सामाधि की अवस्था में चले गए, जिससे गाँव वाले आश्चर्यचकित रह गए। इस घटना ने उनके आध्यात्मिक गुणों का प्रारंभिक परिचय दिया।

कामारपुकुर से मात्र छह वर्ष की आयु में वे पिता के निधन के बाद भी आनंदमय रहते। किशोरावस्था में वे भाई रामकुमार के साथ पश्चिमी बंगाल के दक्षिणेश्वर पहुँचे। दक्षिणेश्वर काली मंदिर, जो रानी रासमणि द्वारा निर्मित एक भव्य स्थल था, हुगली नदी के तट पर स्थित है। यहाँ नवनिर्मित काली मंदिर में रामकुमार पुजारी थे। गदाधर ने भी पूजा–अर्चना में सहायता की। धीरे–धीरे वे मंदिर के मुख्य पूजारी बन गए। माँ काली के प्रति उनकी भक्ति अथाह थी। वे मंदिर में पहुँचते ही माँ के चरणों में सिर झुकाते और घंटों भजन–कीर्तन में लीन हो जाते। एक बार उन्होंने माँ काली से भोजन माँगा तो माँ ने स्वयं भोजन परोस दिया। ऐसी अनेक लीलाएँ उनके जीवन में घटित हुईं, जो सिद्ध संत के प्रमाण हैं। रामकृष्ण को माँ काली के दर्शन हुए। वे कहते, माँ काली मेरी माँ हैं, वे मुझे भोजन कराती हैं, स्नान कराती हैं। उनकी साधना इतनी तीव्र थी कि वे रात–दिन माँ के चिंतन में रहते। कभी–कभी वे मंदिर छोड़कर जंगल में चले जाते और पेड़ों पर चढ़कर माँ को पुकारते। इस तीव्र साधना से वे शारीरिक रूप से दुर्बल हो गए, लेकिन आध्यात्मिक ऊँचाइयों को छू लिया।

रामकृष्ण की आध्यात्मिक यात्रा विविध मार्गों से होकर गुजरी। प्रथम वे शाक्त साधना में लीन हुए। भैरवी ब्राह्मणी नामक एक विदुषी साधिका उनके पास पहुँचीं और उन्हें तंत्र साधना का उपदेश दिया। उन्होंने चण्डी पाठ, देवी महात्म्य का पाठ किया और श्मशान साधना में प्रवेश किया। श्मशान में साधना करते हुए उन्हें अनेक सिद्धियाँ प्राप्त हुईं, किंतु वे कभी उनका उपयोग नहीं किया। इसके पश्चात उन्होंने वैष्णव साधना अपनाई। राधा–कृष्ण भक्ति में वे इतने तल्लीन हुए कि स्वयं को राधा समझने लगे। वे कहते, मैं राधा हूँ, गोपियों में एक गोपी। इस साधना से उन्हें विराट रास का दर्शन हुआ। तत्पश्चात उन्होंने इस्लाम धर्म का अभ्यास किया। एक सूफी संत के मार्गदर्शन में उन्होंने अल्लाह का स्मरण किया और अल्लाह का दर्शन प्राप्त किया। ईसाई धर्म की साधना में बाइबिल पढ़ी और जीसस क्राइस्ट का दर्शन हुआ। अंत में तोतापुरी नामक नगा साधु उनके पास आए। तोतापुरी ने उन्हें अद्वैत वेदांत का उपदेश दिया। रामकृष्ण ने पंचवटी में निराकार ब्रह्म की साधना की। तोतापुरी ने कहा, यह काली रूपी अज्ञान को काट डालो। रामकृष्ण ने नेत्र बंद कर निराकार सत्य को देखा। परंतु माँ काली के प्रति प्रेम के कारण नेत्र खुलते ही माँ दिखीं। तोतापुरी ने 6 दिनों तक प्रयास किया और अंत में रामकृष्ण को समाधि प्राप्त हुई। इस प्रकार उन्होंने सभी धर्मों का साधना कर एक ही परम सत्य की प्राप्ति की। उनका प्रसिद्ध कथन है, जितने मत, तितने पथ। अर्थात जितने मत हैं, उतने ही मार्ग ईश्वर तक पहुँचने के। वे कहते, जैसे विभिन्न नदियाँ समुद्र में मिल जाती हैं, वैसे सभी धर्म ईश्वर तक पहुँचाते हैं।

रामकृष्ण का व्यक्तिगत जीवन भी आध्यात्मिकता से परिपूर्ण था। उनका विवाह सारदा देवी से हुआ, जो मात्र 5 वर्ष की थीं। विवाह मात्र नाममात्र का था। सारदा देवी बाद में उनकी आध्यात्मिक सहधर्मिणी बनीं और रामकृष्ण मिशन में माँ शारदा के रूप में पूजनीय हुईं। रामकृष्ण कहते, सारदा मेरी शक्ति हैं। वे गृहस्थ जीवन में रहते हुए संन्यासी के समान ब्रह्मचर्य का पालन करते। उनके भतीजे हृदय ने उनके दैनिक कार्यों में सहायता की। रामकृष्ण को भक्तों के बीच भवसमाधि की अवस्था आ जाती। भवसमाधि में वे ईश्वरानुभूति में डूब जाते। केशव चंद्र सेन जैसे ब्रह्म समाज के विद्वान उनके दर्शन को आते। रामकृष्ण ब्रह्म समाज को प्रेम पूर्वक उपदेश देते। वे कहते, भगवान भक्ति के बिना ज्ञान नहीं। उनके उपदेश सरल, ग्रामीण भाषा में होते, किंतु गहन अर्थपूर्ण वे कहानियों, दृष्टांतों से समझाते। जैसे, मछली जाल में फँस जाती है, किंतु पानी को कभी नहीं छोड़ती। वैसे भक्त संसार के जाल में फँसकर भी ईश्वर को नहीं छोड़ता। रामकृष्ण के जीवन में विवेकानंद का आगमन एक महत्वपूर्ण घटना थी। नरेंद्रनाथ दत्त नामक युवा, जो ब्रह्म समाज से जुड़े थे, उनके पास संशय लेकर आए। रामकृष्ण ने कहा, हाँ, ईश्वर हैं। धीरे–धीरे नरेंद्र उनके प्रमुख शिष्य बने। रामकृष्ण ने उन्हें संन्यास का उपदेश दिया। अन्य शिष्य जैसे राकहल, बाबुराम, निरंजनानंद आदि भी उनके चरणों में बैठे। रामकृष्ण ने कहा, मेरे शिष्य जगत के कल्याण के लिए जन्मे हैं। 1885 में उन्हें गले का कर्करोग हुआ। वे कोसिपुर उद्यान बारी में रहे। वहाँ भक्तों ने सेवा की। अंतिम दिनों में वे शिष्यों को उपदेश देते रहे। 16 अगस्त 1886 को वे महासमाधि को प्राप्त हुए। मृत्यु से पूर्व उन्होंने विवेकानंद को मिशन का उत्तराधिकारी बनाया।

रामकृष्ण की विरासत रामकृष्ण मिशन के रूप में आज विश्वव्यापी है। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में इसकी स्थापना की। मिशन शिक्षा, चिकित्सा, आपदा राहत, ग्रामीण विकास में सक्रिय है। रामकृष्ण मठ विश्व भर में हैं। उनके उपदेश 'श्री रामकृष्ण कथामृत' में संकलित हैं, जो महेंद्रनाथ गुप्त (श्रीम) द्वारा लिखित है। यह ग्रंथ उनके संवादों का संग्रह है। रामकृष्ण ने वेदांत को आधुनिक रूप दिया। वे कहते, नर से नारायण बनना। अर्थात मनुष्य को ईश्वर प्रकट करना। उनके विचार सभी धर्मों के प्रति समावेशी हैं। आज के विभाजित समाज में उनकी एकता का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महापुरुष उनके अनुयायी रहे। विवेकानंद ने शिकागो धर्म संसद में रामकृष्ण के संदेश को विश्व पटल पर पहुँचाया। रामकृष्ण का जीवन प्रमाणित करता है कि सच्ची साधना सीमाओं से परे होती है। वे न तो विद्वान थे, न लेखक, किंतु उनके हृदय से निकले वचन अमर हैं।

उनके कुछ प्रमुख वचन हैं– भगवान को पाने के लिए भूखे श्वान की भाँति रोओ। ईश्वर भजन के बिना नहीं मिलते। स्त्री जाति को देवी समझो। जो कामना रहित है, वही सच्चा भक्त। रामकृष्ण का जीवन एक दर्पण है, जो हमें आध्यात्मिकता की ओर ले जाता है। वे कहते, मैं कोई अवतार नहीं, केवल भक्त हूँ। किंतु उनके अनुयायी उन्हें अवतार मानते। दक्षिणेश्वर काली मंदिर आज तीर्थस्थल है। वहाँ उनके चित्र से दर्शन होते हैं। कामारपुकुर में जन्मभूमि मंदिर है। विश्व भर में रामकृष्ण जयंती धूमधाम से मनाई जाती। उनके जीवन से हम सीखते हैं कि भक्ति, ज्ञान, कर्म सभी मार्ग ईश्वर तक ले जाते। आज के भौतिकवादी युग में रामकृष्ण का संदेश आध्यात्मिक जागरण का माध्यम है। उनका जीवन सिद्ध करता है कि साधारण मनुष्य भी परम सत्य प्राप्त कर सकता है। रामकृष्ण परमहंस अमर हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फ्रांस के राष्ट्रपति की बॉलीवुड सितारों से मुलाकात, बोले संस्कृति हमें जोड़ती है

मुंबई/एजेन्सी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने अपने भारत दौरे के दौरान मुंबई में फिल्मी सितारों से मुलाकात की। उन्होंने दिग्गज अभिनेता मनोज वाजपेयी, अनिल कपूर, शबाना आजमी, अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और फिल्मकार जोया अख्तर समेत कई हस्तियों से मुलाकात की। राष्ट्रपति मैक्रों ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, भारतीय सिनेमा के दिग्गजों के साथ, संस्कृति हमें जोड़ती है।'' यह मुलाकात भारत-फ्रांस संबंधों में सांस्कृतिक सहयोग के बढ़ते आयामों को भी रेखांकित करती है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी अहम भूमिका निभा रहा है।मुंबई दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच लोक भवन में द्विपक्षीय बैठक भी हुई। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक से पहले दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, मुंबई में अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने बताया कि उन्हें यह शहर बहुत पसंद है और सुबह की दौड़ का भी आनंद लिया।

भारत दौरे की शुरुआत में राष्ट्रपति मैक्रों और उनकी पत्नी ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद दिन में प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी विस्तृत वार्ता निर्धारित रही।

दोनों नेता 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' की शुरुआत भी करेंगे। माना जा रहा है कि मैक्रों की यह यात्रा दोनों देशों के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और सांस्कृतिक सहयोग को नई गति देगी। मुंबई एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति मैक्रों का स्वागत महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वागत संदेश में कहा कि भारत-फ्रांस सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में यह दौरा अहम साबित होगा और वैश्विक प्रगति में भी योगदान देगा।

स्वनिर्वासन में 17 साल रहने से लेकर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद तक, रहमान ने तय किया लंबा सफर

ढाका/भाषा। स्वनिर्वासन में 17 वर्ष तक लंदन में रहे तारिक रहमान ने बांग्लादेश के राजनीतिक फलक पर शानदार वापसी की और अपने पिता द्वारा गठित बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को 20 साल के अंतराल के बाद फिर से सत्ता में ला दिया। बीएनपी अध्यक्ष रहमान (60) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। वह पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। बीएनपी की स्थापना तारिक रहमान के पिता जियाउर रहमान ने की थी, जो एक सैन्य शासक से राजनीतिज्ञ बने थे। तत्कालीन राष्ट्रपति जियाउर रहमान की 1981 में हत्या के बाद लगभग चार दशक तक पार्टी का नेतृत्व तारिक की मां खालिदा जिया ने किया।

पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश लौटने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ था, लेकिन उसके पांच दिन बाद ही रहमान को व्यक्तिगत त्रासदी का सामना करना पड़ा जब उनकी मां खालिदा जिया का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया।

देश में 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनावों में बीएनपी ने 297 में से 209 सीटें जीतीं, जबकि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें हासिल कीं।

आम चुनावों से पहले, जब बीएनपी राजनीतिक रूप से हाशिए पर थी, तारिक रहमान ने बीएनपी के अध्यक्ष का पदभार संभाला। बदलते हालात ने उन्हें व्यक्तिगत क्षति के बीच कुछ निजी समय बिताने का अवसर नहीं दिया।

रहमान को भी वंशवादी राजनीति की उपज के रूप में देखा जाता है, लेकिन उनके परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि ने उन्हें एक प्रकार की दूरदर्शिता प्रदान की है।

दिसंबर में बांग्लादेश लौटने के कुछ घंटों बाद रहमान ने कहा था, ''मेरे पास अपने देश के लोगों और अपने देश के लिए एक योजना है।''

मृदुभाषी रहमान ने चुनाव प्रचार में अपनी पार्टी का नेतृत्व करते हुए अपार जनसमूह को आकर्षित किया। उन्होंने भड़काऊ बयानबाजी से परहेज करने और संयम एवं सुलह के आह्वान का रूख अपनाया। रहमान का जन्म 20 नवंबर 1965 को ढाका में हुआ था। बचपन में उन्होंने 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम को देखा। उन्हें अपनी मां और भाई के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन 16 दिसंबर 1971 को उन्हें रिहा कर दिया गया, जब बांग्लादेश को पाकिस्तान से स्वतंत्रता मिली। उन्होंने ढाका विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध का अध्ययन किया लेकिन बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। बाद में उन्होंने कपड़ा और कृषि उत्पादों के व्यवसाय शुरू किए। वह 2009 में बीएनपी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए और धीरे-धीरे पार्टी के पुनर्गठन में शामिल हो गए।

अवामी लीग के शासनकाल में रहमान भ्रष्टाचार और अपराध के कई मामलों को लेकर निशाने पर आ गए। कुछ मामलों में उन्हें उनकी अनुपस्थिति में दोषी करार दिया गया।

प्रदर्शन

हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स जॉइंट स्ट्रगल कमेटी के सदस्य मंगलवार को शिमला में हिमाचल प्रदेश लेजिस्लेटिव असेंबली के बाहर चौड़ा मैदान में अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए।

बिल गेट्स के 'एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेने को लेकर 'असमंजस'

नई दिल्ली/भाषा। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स के 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने को लेकर मंगलवार को अलग-अलग तरह की खबरें सामने आने से असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। सरकारी सूत्रों ने उनके सम्मेलन में भाग नहीं लेने की जानकारी दी है, वहीं गेट्स फाउंडेशन का कहना है कि वह इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी गेट्स की भागीदारी पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया।राष्ट्रीय राजधानी में 'इंडिया इम्पैक्ट समिट' का 16 से 20 फरवरी तक आयोजन किया जा रहा है। 'एआई इम्पैक्ट समिट' की आधिकारिक वेबसाइट पर वक्ताओं की सूची में गेट्स का नाम पहले शामिल था। इस सूची में प्रौद्योगिकी व उद्योग जगत के दिग्गज, नीति-निर्माता, संस्थापक एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के नाम शामिल हैं। हालांकि, मंगलवार को सम्मेलन की वेबसाइट पर गेट्स का नाम नजर नहीं आया।सरकारी सूत्रों ने बताया कि गेट्स एआई सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। हालांकि, सूत्रों ने इसकी वजह नहीं बताई। गेट्स फाउंडेशन को इस संबंध में 'पीटीआई-भाषा' द्वारा भेजे ई-मेल के जवाब में उसके प्रवक्ता ने कहा, ''बिल गेट्स, एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेंगे। वह सम्मेलन को उनके लिए निर्धारित समय पर संबोधित करेंगे।''वक्ताओं की सूची के अनुसार, बिल गेट्स को 19 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर एआई इम्पैक्ट समिट को संबोधित करना था। एआई सम्मेलन का नेतृत्व कर रहे सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में गेट्स की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों को सीधा जवाब नहीं दिया।

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

मुंबई/एजेन्सी

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि

सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो। फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है। अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये ज़रूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती। सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज़ हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के ज़रिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज़ पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नज़रें चुरा लेते हैं का मौक़ा देती हैं।

ऋचा चड्ढा ने बयां किया कैरियर का शुरुआती अनुभव, भरोसेमंद व्यक्ति ने दिया था धोखा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं।ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें।ऋचा एक नई नॉन-फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी-पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है। यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी।

रोहित शेट्टी के घर पर गोलीबारी

पांच आरोपियों की पुलिस हिरासत 23 फरवरी तक बढ़ाई गई

मुंबई/भाषा

मुंबई की एक विशेष अदालत ने बॉलीवुड फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के आवास पर हुई गोलीबारी के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों की पुलिस हिरासत मंगलवार को 23 फरवरी तक बढ़ा दी। पुलिस ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की विशेष अदालत को बताया कि बाद में गिरफ्तार किए गए लोगों के साथ संयुक्त पूछताछ के लिए इनकी हिरासत अभी जरूरी है। इस मामले में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें रविवार को हरियाणा और उत्तर प्रदेश से पकड़े गए सात लोग शामिल हैं। इन सातों को 25 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पहले गिरफ्तार पांच आरोपियों- आदित्य गायकी (19), सिद्धार्थ येनपुरे (20), समर्थ पोमाजी (18) स्वप्निल सकट (23) और आसाराम फसाले को उनकी हिरासत अवधि की समाप्ति पर विशेष न्यायाधीश महेश जाधव के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस ने अदालत को बताया कि संयुक्त पूछताछ के साथ-साथ धन के स्रोत का पता लगाने और अपराध में इस्तेमाल किए गए वाहन का पता लगाने के लिए उनकी हिरासत की आवश्यकता है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता अजिंक्य मिरगल ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि जांच एजेंसी को उनसे पूछताछ करने के लिए पर्याप्त समय मिला था। उन्होंने आगे कहा कि धन के लेन-देन का पता लगाने के लिए आरोपियों की शारीरिक तौर पर हिरासत की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि पुलिस पहले ही उनके मोबाइल फोन जब्त कर चुकी है। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद पांचों आरोपियों की हिरासत 23 फरवरी तक बढ़ा दी। एक फरवरी को रात 12.45 बजे जुहू इलाके में शेट्टी की नौ मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर कम से कम पांच गोलियां चलाई गईं। एक गोली इमारत के अंदर स्थित जिम के शीशे पर जा लगी।

रविवार को गिरफ्तार कथित निशानेबाजों में दीपक शर्मा शामिल था। पुलिस के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य शुभम लोनकर के निर्देश पर गोलीबारी की गई थी। पुलिस के मुताबिक, उनका इरादा फिल्म निर्माता को चोट पहुंचाना और भय का माहौल कायम करना था। लोनकर इस मामले में वांछित आरोपी है।

'तू या मैं' ने बदली शनाया कपूर की सोच, किरदार अवनी से मिली नई ताकत

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए खुद को साबित करना और आलोचनाओं से जूझना आसान नहीं होता। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने नई फिल्म 'तू या मैं' और अपने किरदार 'अवनी' को लेकर दिल की बातें रखीं। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शनाया कपूर ने कहा, '''तू या मैं' मेरे जीवन में उस वक्त आई, जब मैं खुद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी और मैं खुद से सवाल करती रहती थी। ऐसे समय में इस फिल्म और इस किरदार का मिलना मेरे लिए किसी सहारे से कम नहीं था। इस फिल्म ने मुझे सिर्फ एक भूमिका नहीं दी, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी सिखाया।'' अपने किरदार के बारे में शनाया ने कहा, ''अवनी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। फिल्म में अवनी एक ऐसी लड़की है, जो मुश्किल हालात में भी हार नहीं मानती और जानलेवा परिस्थितियों का सामना करती है। अवनी मगरमच्छों से लड़ती है। अवनी के इसी अंदाज ने मुझे डर से लड़ना सिखाया। इस किरदार ने मुझे निडर और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। मैं अभी भी अवनी के मजबूत व्यक्तित्व तक पहुंचने की कोशिश कर रही हूं। यह सफर मेरे लिए बेहद खास है।''

अपनी पोस्ट में शनाया ने दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में ही दर्शकों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लोगों की तारीफ, प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं मुझे भावुक कर देती हैं। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे अवनी के रूप में अपनाया। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।'' दर्शकों के अलावा, शनाया ने फिल्म के निर्देशक का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मुझ पर भरोसा करने और मुझे इस किरदार के लिए चुनने के लिए मैं डायरेक्टर का धन्यवाद करती हूं। उन्होंने न सिर्फ अवनी को पर्दे पर जीवित किया, बल्कि मुझे एक बेहतर कलाकार बनने के लिए लगातार प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन और विश्वास ने मुझको खुद की सीमाओं से आगे बढ़ने का हौसला दिया।

दिल्ली हाई कोर्ट से चेक बाउंस केस में अंतरिम ज़मानत मिलने के बाद तिहाड़ जेल से बाहर आते हुए एक्टर राजपाल यादव मीडिया से बात करते हुए।

एआई इम्पैक्ट

नई दिल्ली के भारत मंडपम में -एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान एक विज़िटर एक स्टॉल पर वर्चुअल रियलिटी टेक्नोलॉजी का अनुभव करता हुआ।

महिलाओं और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करना सही लगता है : श्वेता त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने प्रोड्यूसर के रूप में महिलाओं पर आधारित और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करने का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह सही है और इस काम में उन्हें खास महसूस होता है। एक आर्टिस्ट के तौर पर यह उनके लिए एक बड़े मकसद का हिस्सा है। श्वेता ने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम मुख्य भूमिका में हैं और यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जो इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता खुद भी अभिनय कर रही हैं। श्वेता पहले भी क्वीर प्ले 'कॉक' को प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो माइक बार्टलेट की ओलिवर अवॉर्ड विनर ड्रामा है। कई शहरों में ये ड्रामा प्ले हुआ और दर्शकों से इसे शानदार रिस्पॉन्स मिला।

अभिनेत्री ने बताया, मेरे लिए यह बहुत पर्सनल है। अगर हम समाज में कोई खास बदलाव देखना चाहते हैं, तो हमें खुद इसका हिस्सा बनकर शुरुआत करनी होगी। महिलाओं और क्वीर लाइफ की कहानियां हमेशा से मौजूद रही हैं, लेकिन उन्हें वह जगह और सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और कुछ बनाने का मौका मिला है, तो मुझे इसका सही इस्तेमाल करना है।

वह चाहती हैं कि यह कहानी दर्शकों को जानी-पहचानी और खास लगे। उनका

मानना है कि क्वीर कहानियां असरदार होने के लिए जोरदार या सनसनीखेज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया, कभी-कभी ये कहानियां कोमल और रोजमर्रा की होती हैं। वे हमेशा खुद को जाहिर नहीं करतीं, लेकिन आपके साथ रहती हैं। मैं इसी तरह के काम से जुड़ना चाहती हूं।

श्वेता ने आगे कहा, यह वह रास्ता लगता है जिस पर मैं चलना चाहती हूं। महिलाओं पर आधारित विषयों को सपोर्ट करना, क्वीर आवाजों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदार रहना। यह सही लगता है और मेरे लिए एक आर्टिस्ट के तौर पर घर जैसा और बड़े मकसद का हिस्सा है।

अभिनेत्री जल्द ही 'मिर्जापुर-द मूवी' में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी के साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, रसिका दुग्गल समेत पुराने और नए कलाकार शामिल हैं।

दादी का मंगलपाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की दादी परिवार समिति के तत्वावधान में रांका कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन सालासर बालाजी मन्दिर के कथा हॉल में सोमवार को दोपहर 2 बजे से 14वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दादी का भव्य दरबार सजाया गया और दादी परिवार की सदस्याओं ने विधिवत पूजन कर ज्योत प्रज्वलित कर संगीतमय मंगलपाठ का वाचन किया। गायिका अलका खेड़वाल ने संगीतमय मंगलपाठ प्रस्तुत कर पूरे सभागार को भक्तिमय बना दिया। जीण माता सेवा समिति की सदस्याओं ने भी कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

गुरु जाप व सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दोड्डनिकुंदी गौशाला में स्थित उपाध्यायश्री केवलमुनिजी के समाधि स्थल 'केवल आराधना स्थल' पर अमावस्या के मौके पर जाप-सामायिक का आयोजन किया जिसमें उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने जाप किया और गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। जाप-सामायिक के बाद आराधना स्थल पर अन्नदान का आयोजन किया गया। इस मौके पर राजेंद्र मरलेचा, उत्तमचंद कोठारी, गौतम धारीवाल नंदकिशोर कोठारी, पवन धारीवाल, राजेश गोलेच्छा आदि गुरुभक्तों की उपस्थिति थी।

गुरु गणेश गुरु भक्तों ने अमावस्या के उपलक्ष्य में किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति की ओर से मंगलवार को अमावस्या पर मैसूरु बैंक सर्कल पर महाप्रसादी वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों को अन्नप्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरण चंद बोहरा, कार्याध्यक्ष आशीष सहित अन्य अनेक गुरुभक्तों ने महाप्रसादी सेवा में सहयोग दिया। अन्नदान के अलावा सदस्यों ने जीवदया गौशाला होसकोटे में गौ सेवा भी की गई। गायों को हरा चारे के साथ सब्जियां खिलाई गई। आयोजकों ने बताया कि अब प्रत्येक अमावस्या पर अन्नदान के साथ साथ गौसेवा भी की जाएगी।

रेड क्रॉस सोसाइटी व स्पर्श अस्पताल के सहयोग से प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय फ्रेंड्स वेलफेयर सोसाइटी (एफटीएस) महिला समिति द्वारा सोमवार को रेड क्रॉस सोसाइटी व स्पर्श अस्पताल के सहयोग से प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजकों ने एफटीएस के सामाजिक कार्यों का संक्षिप्त परिचय दिया गया।

रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों ने आपातकालीन सेवाओं एवं मानवीय कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान दक्षिण जोन के सचिव बिमल सरावगी, महिला सचिव रेणु कनोड़िया, संगठन सहसचिव

सरिता भंसाली, समिति की अध्यक्ष कांता काबरा सहित लगभग 40 सदस्याओं व अन्य लोगों की उपस्थिति थी। ङ्गइस प्रशिक्षण सत्र में 30 प्रतिभागियों ने आपात स्थिति में जीवनरक्षक कौशल सिखा।

प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार की आपातकाल परिस्थितियों में घरेलू सावधानियां और प्राथमिक उपचारों संबंधी उपयोगी जानकारियां दी गई। सत्र का मुख्य आकर्षण सीपीआर का प्रायोगिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण रहा, जिसमें प्रतिभागियों को सीपीआर की सही विधि, बेहोशी, घुटन एवं हृदयाघात जैसी परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं जागरूकता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देकर स्वयं अभ्यास करवाया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में सेवा-सहयोग देने वाले स्पर्श हॉस्पिटल के आपातकालीन विभाग के प्रमुख डॉक्टर श्रीनाथ कुमार एवं डॉ रेखा, डॉ दिव्यश्री, रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन मिस्टर बालकृष्ण शेट्टी एवं सचिव राजेश एमएस का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन समिति की सचिव अनीता जैन और रेड क्रॉस सोसाइटी सचिव राजेश ने किया।

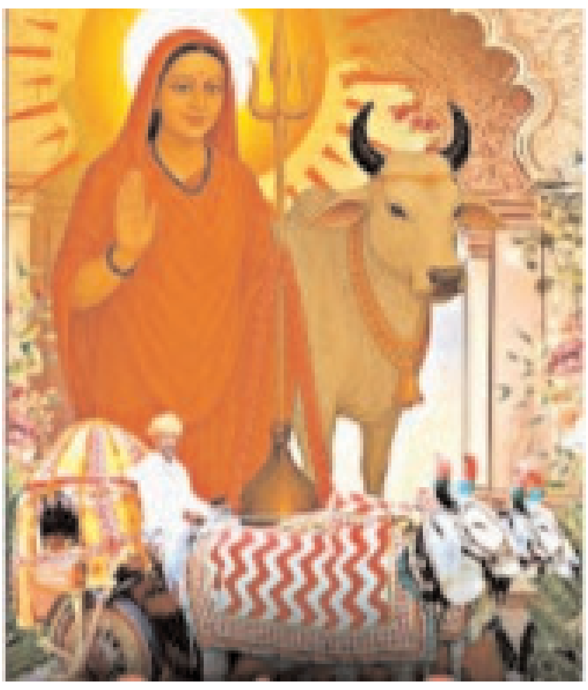

रायसान्द्रा बडेर में आईमाता के धर्मरथ का बधावणा 21 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सीरवी समाज ट्रस्ट,रायसांद्रा बडेर में सोमवार को आयोजित बैठक में समाज भवन तथा आईमाता मंदिर के निर्माण सहित समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा शनिवार को माताजी के धर्मरथ के बधावणा का धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। समाज के अध्यक्ष तुलसाराम लखावत एवं सचिव कुनाराम काग ने बताया कि शुक्रवार की शाम बडेर में आईमाता के धर्मरथ का आगमन होने की सूचना से समाज के लोगों में हर्ष की लहर है। इस उपलक्ष्य में शुक्रवार शाम 7 बजे से बडेर में सत्संग एवं भजन-कीर्तन का कार्यक्रम रखा गया है। इसी दौरान धर्मरथ के बधावणा तथा समाज भवन व मंदिर निर्माण सम्बन्धित चढ़ावों की बोलियों का कार्यक्रम भी होगा। अगले दिन शनिवार को प्रात:काल पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार माताजी के धर्मरथ का बधावा होगा तथा समाज के भूखंड के सामने वाले भवन में माताजी की तस्वीर, पाट एवं अखंड ज्योति की स्थापना भी की जाएगी। ङ्गइस विशेष बैठक में सदस्यों एवं ट्रस्टियों ने अपने विचार रखते हुए समाज के भूखंड पर भवन एवं मंदिर निर्माण का काम जल्द से जल्द शुरु कराने पर जोर दिया। इसके साथ सभी ने अपनी तरफ से हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पूर्व अध्यक्ष मलाराम मुलेवा, पूर्व सचिव विष्णुकुमार आगलेचा सहित ङ्गअनेक पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नृत्य उत्सव

बेंगलूरु के वीरेश्वर देवालय द्वारा बापूजीनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'नृत्य उत्सव' का आयोजन किया गया जिसमें सविद्या नाट्य अकादमी के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। देवालय के पदाधिकारियों ने मुणोत को भी सम्मानित किया।

चिक्कमगलूरु में पथराव के आरोप के बाद तनाव फैला, दो युवक घायल

चिक्कमगलुरु। कर्नाटक में चिक्कमगलूरु के विजयपुरा इलाके में कुछ युवाओं द्वारा पथराव किए जाने के आरोपों के सामने आने के बाद दो समुदायों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया जिससे इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, ये आरोप सामने आए हैं कि एक समुदाय के कुछ युवकों ने पिछले सप्ताह कुछ घरों पर पत्थर फेंके थे और वे पिछले तीन दिन से लड़कियों को परेशान कर रहे थे जिससे स्थानीय निवासियों में आक्रोश फैल गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध तरीके से घूम रहे दो युवकों को एक संगठन के कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया, उनकी पिटाई की और बाद में उन्हें पुलिस को सौंप दिया। इसके कुछ ही देर बाद दोनों समुदायों के सैकड़ों युवक बसवनहल्ली पुलिस थाने और सरकारी अस्पताल के सामने एकत्र हो गए जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। जहां एक समूह ने दावा किया कि उसके सदस्यों ने पत्थर नहीं फेंके, वहीं दूसरे समूह ने घरों पर कथित हमलों और उत्पीड़न के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई थी। वह तुरंत मौके पर पहुंची और उसने भीड़ को तितर-बितर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पर काबू पाने में उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी। पूरे शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस बीच, घायल हुए दोनों युवकों का सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी बसवनगुड़ी में 'दादा मेला' सम्पन्न

गुरुदेव जिनकुशलसूरी का 693वां स्वर्गारोहण दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मुनिश्री मलयप्रभ सागर जी व मुकुलप्रभ सागर जी की निश्रा में जैन जगत के तृतीय दादा गुरुदेव श्री जिनकुशलसूरीश्वरजी के 693वें स्वर्गारोहण दिवस निमित्त 'दादा गुरुदेव मेला' का आयोजन किया गया। मंगलवार को सुबह विभिन्न मंडलों व संगीत मंडलों की सहभागिता से दादावाड़ी से वरघोड़ा प्रारंभ हुआ जो कि बसवनगुड़ी के राजमार्गों से होता हुआ वापस दादावाड़ी पहुंचा। वरघोड़े में युवकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस मौके पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मलयप्रभ सागर जी, मुकुलप्रभ सागर जी ने गुरुदेव के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि गुरुदेव के वश में चौंसठ योगनियां हैं, काले-गोरे भैरवदेव गुरुदेव की सेवा में उपस्थित रहते हैं।

संतों ने गुरुदेव के गुणों को याद करते हुए उनके अनुसरण करने की प्रेरणा दी। दादावाड़ी पहुंचकर धर्मसभा में लाभार्थी परिवार द्वारा गुरुदेव के चित्र के सामने दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने गुरुदेव के गुणों का स्मरण किया। संघवी तेजराज गुलेच्छा ने चादर महोत्सव की गतिविधियों की जानकारी संघ को प्रदान की और सभी को जैसलमेर पहुंचने का निवेदन किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि पन्नालाल पारख परिवार द्वारा प्रायोजित दादा मेला का वरघोड़ा बहुत ही ऐतिहासिक रहा, जिसमें बेंगलूरु के 15 से अधिक मंडलों की सहभागिता रही।ङ्गजिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने गुरुदेव का गुणानुवाद करते हुए कहा कि आज 693 वर्षों के पश्चात भी गुरुदेव के भक्तों में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। गुरुदेव की साधना के बल पर जन समाज के हित में अनेकों चमत्कार घटित हुए। खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेंद्र गुलेच्छा ने कुशल गुरुदेव को समर्पित कविता पाठ किया। दोपहर में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा गुरुदेव की बड़ी पूजा पढ़ाई गई। रात्रि में सुप्रसिद्ध संगीतकार महेन्द्र बागरेचा, जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल और संगीत महिला मंडल के सदस्यों ने गुरुदेव की भक्ति में श्रद्धालुओं को सराबोर कर दिया। दादा मेला की व्यवस्थाओं में जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल का सहयोग रहा। इस मौके पर अध्यक्ष, महामंत्री सहित उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, संघवी विजयराज डोसी, धर्मेन्द्र संकलेचा, प्रकाश भन्साली, पुखराज कनाडा, पारसमल कांकरिया, बाबूभाई मेहता के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट, खरतरगच्छ संघ, खरतरगच्छ युवा परिषद्, जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल और दादावाड़ी संघ से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी पारख परिवार का सम्मान किया गया।

अमावस्या अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर संघ के सदस्यों ने अमावस्या के उपलक्ष्य में स्थानक भवन परिसर में मासिक अन्नदान का आयोजन किया। रमेशचंद, गीतेश कुमार चावत परिवार के सौजन्य से आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में संघ के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कोठारी, सहमंत्री सुनील लोढ़ा, दिनेश पोरवाड़, मानवसेवा एवं जीवदया संयोजक धनराज बोहरा, पूर्व युवा अध्यक्ष शंकर दक, युवा संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गुंदेचा, युवा मंत्री सुनील रांका, युवा उपाध्यक्ष तरुण दक, युवा सहमंत्री अभिषेक बोहरा, भारत नंगावत, युवा कोषाध्यक्ष सुनील सामरा सहित अनेक युवाओं ने सेवा प्रदान की।

न्यायालय ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि याचिका रद्द

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शुरू की गई मानहानि की कार्यवाही मंगलवार को रद्द कर दी। यह मामला 2023 में उस वक्त दायर किया गया था, जब कर्नाटक में भाजपा सत्ता में थी। यह मामला तत्कालीन विपक्षी कांग्रेस द्वारा प्रकाशित ''भ्रष्टाचार दर कार्ड'' के बाद सामने आया था, जिसमें तत्कालीन (भाजपा-नीत) सरकार के दौरान राज्य में व्याप्त बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का दावा किया गया था। भाजपा ने गांधी के साथ-साथ कर्नाटक में तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष सिद्दरामय्या और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार पर आरोप लगाए थे। राहुल गांधी अभी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। गांधी ने मानहानि के मामले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था और कहा था कि मामले को जारी रखना कानून का दुरुपयोग होगा।

शुभारंभ

दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल में स्थित नायंडहल्ली रेलवे स्टेशन पर मैसूरु-केएसआर बेंगलूरु सिटी चामुन्डी एक्सप्रेस, मैसूरु-बागलकोट बसवा एक्सप्रेस, तूतीकोरिन-मैसूरु एक्सप्रेस, मैसूरु-पंढरपुर गोलगुम्बज एक्सप्रेस ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव दिया गया है। ऐसी ही एक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना, सांसद पीसी मोहन, मंत्री जेड जमीर अहमद खान एवं अन्य। इसके अलावा बेंगलूरु के विजयनगर और मैसूरु रोड़ के बीच नायंडहल्ली में एक रोड ओवर ब्रिज का भी शुभारंभ किया गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**